RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

वर्ष-03, अंक - 50 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 16 सितम्बर 2021 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

सुविचार

सफलता एक घटिया शिक्षक है। यह लोगों में इस सोच को विकसित करती है कि वो असफल नहीं हो सकते।

बिल गेट्स

लोहे के कबाड़ से बनाई पीएम मोदी की मूर्ति

आंध्रप्रदेश। गुंटूर जिले में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक मूर्ति बनाई गई है। यह मूर्ति 14 फीट ऊंची है और लोहे के कबाड़ से बनी है। गुंटूर जिले के तेनाली कस्बे के रहने वाले पिता और पुत्र की एक जोड़ी ने यह कमाल किया है। चारो तरफइस जोड़ी की तारीफहो रही है। तेनाली कस्बे की श्सूर्या शिल्प शाला के मालिक कटुरी वेंकटेश्वर राव और रविचंद्र ने मिलकर पुराने नट और बोल्ट के माध्यम से यह मूर्ति बनाई है।

अब हिंदी में भी होगी मेडिकल की पढ़ाई

भोपाल एजेंसी। मध्यप्रदेश में चिकित्सा शिक्षा की पढ़ाई अब अंग्रेजी के साथ हिंदी में भी होगी। पढ़ाई का माड्यूल तैयार करने के लिए विशेषज्ञों की एक समिति बनाई जाएगी। समिति के सुझाव के आधार पर ही पूरा पाठ्यक्रम हिंदी में तैयार किया जाएगा। यह बात मप्र के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने अपने निवास पर हिंदी दिवस के मौके पर पत्रकारों से बातचीत में कही।

विश्वास सारंग ने कहा कि, छात्र के पास विकल्प रहेगा कि वह अपनी मातृभाषा में पढ़ाई करना चाहता है या अंग्रेजी में। सारंग ने कहा कि अपनी मातृभाषा में पढ़ाई की सुविधा से गरीब, ग्रामीण और आदिवासी पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा। इसी सोच के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में इंजीनियरिंग और मेडिकल की पढ़ाई अपनी मातृभाषा में करने के प्रविधान किए हैं। उन्होंने कहा कि, अंग्रेजी भाषा में पढ़ाई पहले जैसी चलती रहेगी। समिति की रिपोर्ट आते ही प्रदेश के सभी चिकित्सा महाविद्यालयों में अंग्रेजी के साथ-साथ हिंदी में भी पढ़ाई शुरू हो जाएगी।

पिटोल से दत्तीगांव तक धड़ल्ले से बिक रहा बायोडीजल उर्फ नकली ईंधन

न नियम न कायदा - बस सेटिंग और फायदा ही फायदा

अंचल बना अवैध डीजल विक्रेताओं के लिए जन्नत

वो कहते है ना कि 'सैया भये कोतवाल तो फिर डर काहे का।' कुछ इसी तर्ज पर जिले के पिटोल से लेकर धार जिले के दत्तीगांव तक अवैध धंधेबाजों की बाढ़ सी आई हुई है और इनके संरक्षण में जिला प्रशासन अप्रत्यक्ष रूप से लगा हुआ है। इस 35 से 40 किलोमीटर के क्षेत्र में मानों अवैध धंधेबाजों को जन्नत मिल गई हो। वैसे इस इलाके में कई वर्षों से अवैध धंधेबाजों की चहल-पहल रही है, लेकिन इन दिनों तो मानों मेला सा लगा हुआ है। देखा जाए तो यह एक राष्ट्रीय राज मार्ग है जो मध्यप्रदेश के महानगरों को सीधे तौर पर गुजरात के महानगरों से जोड़ता है। इस राष्ट्रीय राजमार्ग पर हजारों माल वाहक वाहनों की आवाजाही बनी रहती है। यही कारण है कि अवैध धंधेबाजों के लिए मध्यप्रदेश के पश्चिमी छोर का यह आदिवासी बाहुल जिला उपजाऊ जमीन की तरह साबित हो रहा है। ऐसा भी नहीं है कि प्रशासन को इनकी खबर नहीं है। मगर अवैध धंधेबाज प्रशासन के आला अधिकारियों के मुंह में 'तुम भी खाओ और हमें भी खाने दो' की तर्ज पर चांदी के चम्मच ठूस देते है। अधिकारियों के मुंह में ठूंसा गया यह चांदी का चम्मच ऐसा काम करता कि औपचारिकता के तौर पर होने वाली कार्रवाई के बाद तमाम अवैध धंधेबाजों को खबर पहुंच जाती और वे दिन के उजाले में अपने अवैध धंधों को बंद करके रात के अंधेरे में अपने कामों को अंजाम देते। जियो और जीने दो की यह पद्धती इन दिनों जिला प्रशासन और माफिओं के बीच खूब गुल खिला रही है। जो अवैध धंधेबाज या कारोबारी प्रशासनिक अमले के मुंह में यह चांदी का चम्मच नहीं ठूंस पाता वह प्रशासनिक कार्रवाई का शिकार हो जाता। इसमें फायदा यह होता कि जगजाहीरी तौर पर कहने के लिए सही मगर प्रशासनिक कार्रवाई हो जाती। यूं तो पिटोल से लेकर कालीदेवी के बीच नेशनल हाइवे के किनारे बहुत से अवैध धंधे होते ही आए है। पिछले समय में जिला प्रशासन भी इन अवैध धंधेबाजों के फूल से पखड़ी तोड़कर अपने कर्तव्यों की इतिश्री करता आया है। गैस टेंकरों से अवैध रूप से गैस निकालने का मामला हो या फिर डामर से भरे टेंकरों से अवैध डामर निकाल कर कालाबाजारी करने और नकली डामर के प्लांट संचालन तक के मामले सामने आ चुके है। इस जिले में अवैध शराब परिवहन का तो भगवान ही मालिक है। प्रशासन कुछेक कार्रवाई के बाद नतमस्तक होता नजर आया ही है। इसी तरह इस क्षेत्र में केरोसीन, डीजल, पेट्रोल आदि की भी कालाबाजारी होती रही है और अवैध धंधेबाज कालाबाजारी के इस माल को इसी नेशनल हाइवे के जरिए खपाते भी रहे है। इन दिनों जिले के इस क्षेत्र में बायो डीजल के अवैध कारोबारियों की बाढ़ सी आई हुई है। आश्चर्य यह कि हर अवैध कारोबारी प्रशासन से सेटिंग के जरिए ही तलाश करता रहता है। कोई कलेक्टर तक पहुंचने का जैक जरिया ढूंढता तो कोई एसडीएम से सेटिंग के लिए कार्यालयीन बाबूओं पर नजर रखते हुए उनका पीछा करता रहता। सेटिंग सफल नहीं होने या ज्यादा शिकायतें होने पर जिला प्रशासन के आला अधिकारी अपने अधिनस्तों का इस्तेमाल करते हुए अवैध धंधेबाजों पर कार्रवाई के निर्देश दे देते। इन्ही धंधेबाजों को लेकर गूंज टीम विगत कुछ दिनों से नजर बनाए हुए है। अवैध धंधे और प्रशासन की भूमिका को लेकर गूंज द्वारा खोजा गया मसाला पाठकों के समक्ष प्रस्तुत है।

माही की गूंज टीम के साथ संजय भटेवरा की रिपोर्ट

पिटोल, नाम सुनते ही अवैध धंधों का गढ़ वाली पहचान सहज ही समझ में आती। गुजरात बॉर्डर लगने के कारण तस्करी के लिये पिटोल अपनी अलग पहचान बना चुका है। जिले के अन्य क्षैत्र भी अब अवैध परिवहन उर्फ तस्करी का जरीया बन चुके है परंतु पिटोल को छोड़ अन्य जगहों का अवागमन अभी तक सुगम नहीं हो सका था तो असुरक्षा सबसे बड़ी चुनौती रही है। यही कारण रहा कि जो लोग लंबे समय से अवैध परिवहन के साथ जुड़े है उन्होने पिटोल का विकल्प तलाश लिया और अवैध कार्यों को अंजाम देने वाले बाहरियों ने पिटोल को ही अपनी तीर्थ स्थली बना लिया है। और तो और स्थानीय लोग भी इसमें संलिप्त होने लगे। अवैध परिवहन के अतिरिक्त आरटीओ बेरियर पर अवैध वसूली, अवैध शराब विक्रय जैसे शब्दों से पहचान बना चुका पिटोल इन दिनों बाहरी अवैध धंधेबाजों को बायोडीजल उर्फ नकली ईंधन विक्रय के लिये बहुत पसंद आ रहा है। स्थिति यह है कि बायोडीजल पंप के नाम पर कुकरमुत्तों की तरह अवैध अड्डे जगह-जगह बन गए है। यही नहीं पिटोल, फुलमाल, मसूरिया, देवझिरी, छापरी, कालीदेवी, माछलिया से लेकर जुनापानी, दत्तीगांव तक इन दिनों अवैध डीजल व्यपारियों ने अपना अड्डा बनाया हुआ है। कोई 35-40 किमी के इस इंदौर-अहमदाबाद मार्ग के टुकड़े पर खुलेआम और चोरी-छिपे डीजल बेचने वालों के लगभग दर्जनभर से अधिक ठिकाने हो चले है। दिन में कुछेक जगहों पर व्यवसायिक वाहनों में ही डीजल भरा जाता तो रात्रि में जगह-जगह अवैध डीजल विक्रेताओं के यहां जमावड़ा आसानी से देखा जा सकता है।

दिन में सील तो रात्रि में कार्य चालु

बताते है पेट्रोल पंप संचालन की गाइड लाइन कड़ी है। वैध कागजात बनाने में लंबा समय लगता तो प्रक्रिया भी जटील है, इसीलिये इन अवैध डीजल विक्रेता ने आदिवासियों की भूमि किराये पर लेकर अवैध रूप से मशीने लगा ली। बताते है कईयों ने वैध बायोडीजल पंप खोलने की प्रक्रिया प्रारंभ भी कर दी है किंतु हाईस्पीड डीजल की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि से बायोडीजल उर्फ अवैध ईंधन की मांग सातवें आसमान तक पहुंच गई है। यही कारण है कि बायोडीजल पंप के लिये कागजी खानापूर्ति पूर्ण होने तक अवैध धंधेबाजों को सब्र नहीं हुआ और मशीने लगाकर पिटोल से लेकर दत्तीगांव तक बायोडीजल की मंडी लगा ली। आश्यर्च तो यह कि यह अवैध व असुरक्षित रूप से कथित बायोडीजल विक्रय करने वाले खुलेआम धंधा कर रहे और प्रशासन इनका कुछ भी नहीं बिगाड़ पा रहा है। बताते कुछ दिनों पूर्व पिटोल स्थित सागर हॉटल पर तहसीलदार एवं पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई कर एक टेंकर डीजल जप्त किया था। कुछ इसी प्रकार की कार्रवाई कर कालीदेवी में भी तहसीलदार द्वारा पंप सील कर दिया किंतु की गई इस कार्रवाई के बावजूद अवैध धंधेबाज रात्रि में निर्बाध व्यापार कर रहे है।

प्रशासन की भूमिका संदेहास्पद

अवैध रूप से जगह-जगह बिक रहे बायोडीजल उर्फ नकली ईंधन को लेकर प्रशासन की भूमिका संदेहास्पद नजर आ रही है। अंदरखाने की माने तो तंत्र में बैठे भ्रष्टों की लार अवैध धंधेबाजों के उपर टपकने लगी है, तो सेटिंग की उत्सुकता अवैध धंधेबाजों को भी उतनी है। दर्जन भर जगहों पर अवैध रूप से बायोडीजल विक्रय करने वाले प्रशासन को खरीदने हेतु जुगत लगा रहे है। अपुष्ट सुत्रों का तो यह भी कहना है कि भ्रष्ट भी पलक-पावड़े बिछाकर इन अवैध धंधेबाजों का इंतजार कर रहे है। पूरे मामले में प्रशासन की भूमिका भी संदेहास्पद बताई जा रही है। पिटोल में जिस सागर हॉटल पर प्रशासन ने छापेमारी की उक्त छापेमारी की जानकारी मांगने पर तहसीलदार मात्र इतना ही कह पाए कि एसडीएम साहब के निर्देश पर कार्रवाई की गई है और एक टेंकर डीजल भी जप्त किया जा चुका है। कुछ ऐसी कार्रवाई कालीदेवी में भी तहसीलदार द्वारा की गई तथा बायोडीजल पंप सील किया किंतु दोनों ही कार्रवाईयों में प्रशासन ने अवैध रूप से बनाए टीन शेड आदि नहीं तोड़े और न ही अवैध डीजल विक्रेताओं के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराई। और तो और डीजल के अतिरिक्त मशीने आदि भी जप्त नहीं की। कुल मिलाकर प्रथम दृष्टया अवैध बायोडीजल विक्रय के मामले प्रशासन की संदेहास्पद भूमिका ही नजर आ रही है। माछलिया के आगे धार जिले के दत्तीगांव में स्थिति और भी गंभीर है। बताते है घाट के उपर संचालित होने वाले लगभग समस्त पंप दिन दहाड़े अवैध रूप से डीजल विक्रय कर रहे है। एक टैंकर के साथ एक मशीन लिये अवैध धंधेबाज दिन दुनी रात चौगनी तरक्की पर है।

वैध पंप संचालकों को हो रहा नुकसान- गुजरात में है सख्ती

अवैध रूप से बायोडीजल विक्रय करने वालों की आई बाढ़ से इन क्षैत्रों में वैध पंप संचालकों को खासा नुकसान उठाना पड़ रहा है। बताते है वैध पंप संचालकों की डीजल बिक्री लगभग पांच गुना तक कम हो गई है। यही कारण है कि कोई तीन सप्ताह पूर्व ही अवैध बायोडीजल पंप की शिकायत कलेक्टर को की जा चुकी है किंतु कुछ दिनों पूर्व ही प्रशासन ने दिखावे की कार्रवाई प्रारंभ की है। शिकायत के बावजूद कार्रवाई में देरी कई प्रश्न खड़े करती है। जानकारी अनुसार इस प्रकार के अवैध पंप संचालकों के विरूद्ध गुजरात प्रांत में सख्त कार्रवाई की जाती है तो वहां वैध पंप संचालकों की शिकायत पर प्रशासन तुरंत कार्रवाई भी करता है। यही कारण है कि इन अवैध धंधेबाजों ने बार्डर के इस पार कई सारे क्षैत्रों को इन दिनों ठिकाना बनाया हुआ है। और नियम विरूद्ध बायोडीजल का व्यापार धडल्ले से कर रहे है।

अवैध धंधों का अड्डा है सागर होटल

प्रशासन ने जिस सागर होटल के समीप अवैध रूप से बायोडीजल धंधेबाजों के विरूद्ध कार्रवाई की। बताते है इसके अतिरिक्त भी उक्त होटल पर अवैध व्यापार होता है। सागर होटल कहने को भोजन के लिये खुली हुई है किंतु होटल संचालक ने उसे अघोषित अहाता बनाया हुआ है। होटल पर चंद मिनटों में ही महंगी से महंगी शराब उपलब्ध करा दी जाती है तो बैठने-पीने की भी उत्तम व्यवस्था है। सागर होटल जो अब तक अघोषित अहाते के रूप जानी जाती थी इन दिनों अवैध बायोडीजल विक्रय की पहचान भी बना चुकी है। बाहरी व्यक्तियों को स्थानीयों ने जमकर तगड़ा संरक्षण दिया हुआ तो तंत्र से सेटिंग का जिम्मा भी लिया हुआ है। रात्रि के समय सागर हॉटल के सामने ही कानवाई लगाई जाती है जहां पुलिस तैनात भी रहती किंतु अवैध रूप से शराब विक्रय करने और अहाता चलाने पर किसी को कोई आपत्ति नहीं है। इसके अतिरिक्त अन्य अड्डो पर जिन ग्रामीणों से अवैध धंधेबाजों ने भूमि किराये पर ली है उन्ही लोगों को चौकीदारी पर रख लिया। यही कारण है कि इन अवैध अड्डो पर पहुंचते ही 5-7 स्थानीय ग्रामीण धमकाने के लिये पहुंच जाते है। गूंज टीम को पड़ताल के दौरान भी इन लोगों का सामना करना पड़ा।

और अंत में अवैध डीजल तो बिकेगा

इतिहास गवाह के अवैध धंधेबाजों को जिले में पनाह मिलने में अधिक समय नहीं लगा। अवैध रूप से बायोडीजल विक्रेताओं की अंचल में इन दिनों बाढ़ आई हुई है। हर कोई सेटिंग की जुगत में लगा है तो कुछेक कागजों पर वैध पंप संचालन हेतु खानापूर्ति के लिये छटपटा रहे है। अवैध रूप से डीजल विक्रय करने वालों में जमकर प्रतियोगिता चल रही है तो प्रशासन पूरी तरह से इन पर अंकुश लगाने में अभी तक नाकामायाब ही रहा है। भविष्य में प्रतियोगिता का नूरा-कुश्ती रूप लेना तय है। जैसा कि पूर्व में फुलमाल गांव में अवैध धंधेबाजो के मध्य हो भी चुका है। और उसी के अनुरूप जो अंत में कुश्ती में विजय प्राप्त कर लेगा यानि साम, दाम, दंड भेद कर सेटिंग कर लेगा वही अंचल में पंप का संचालन करेगा अथवा अवैध रूप से डीजल विक्रय कर सकेगा। क्यूंकि प्रशासन की मंशा अवैध धंधेबाजों को लेकर अभी तक स्पष्ट नहीं है।

गूंज टीम की अवैध बायोडीजल विक्रेताओं पर पैनी नजर बनी रहेगी, अवैध डीजल विक्रेताओं पर कार्रवाई, सेटिंग, क्या कहते है नियम, प्रशासन की संदेहास्पद भूमिका आदि विषयों पर अगले अंक में अवगत कराने का पूरा प्रयास रहेगा।

आओ इसका पता लगाए...?

ओहदेधारी

वो कौन ओहदेधारी है जिसके वाहन के आगे लाल प्लेट पर उसका ओहदा लिखा हुआ है और अपने ही वाहन से देवझिरी बायपास के समीप से इन अवैध धंधेबाजों से 6 अंको में गांधीकृपा लेकर आया। आओ इसका पता लगाए।

नेताजी

जिले का वो कौन नामी नेता है जो कुछेक माह पूर्व अवैध रूप से बायोडीजल विक्रय का सर्वेसर्वा था और कार्रवाई होने पर अपना नाम कटवाने अच्छी खासी भेंट चढ़ाता फिरा था।

ट्रांसफर के खेल का बड़ा खुलासा, अगल-अलग तारीख में दिए गए लेटर पेड में जोड़े गए नाम

सांसद ने मंडल अध्यक्ष के लेटर पेड का हवाला देकर जोडा एक और नाम, एक तारिख में हुआ स्थान्तरण व स्थान्तरण निरस्त

झाबुआ मंडल अध्यक्ष का 24 अगस्त का लेटर पेड जिसमे एक ओर नाम जोड़ कर तीन किए गए।

मंडल अध्यक्ष झाबुआ का 18 अगस्त पहला लेटर पेट जिसमे दो नाम दर्ज।

31 अगस्त को जारी हुए रीता डामोर को यथावत रखने के आदेश।

सांसद का लेटर पेट जिसमे मण्डल की ओर से आए तीन नाम पर अनुशासा के साथ एक नाम और जोड़ा गया।

माही की गूंज, झाबुआ।

जिले में ट्रांसफर को लेकर मचे बवाल के बीच स्थानीय नेताओं की भोपाल में भारी किरकिरी हुई है। फिर चाहे सांसद, जिलाध्यक्ष या मंडल अध्यक्ष हो हर किसी ने ट्रांसफर के इस खेल में भोपाल में अपनी साख गिराने में कोई चूक नही की। जिले में ट्रांसफर को लेकर मचे बवाल से कोई अनभिग्य नही है। भाजपा के कई नेताओं के साथ-साथ भाजपा की जड़ कही जाने वाले छात्र संगठन एबीवीपी ने भी खुल कर भाजपा के सांसद, जिलाध्यक्ष ओर मंडल अध्यक्ष का विरोध कर पुतला जलाया था।

पूरा मामला कांग्रेस के झाबुआ से विधायक कांतिलाल भूरिया की भांजी और पूर्व कांग्रेस विधायक जेवियर मैडा की पत्नी के हुए ट्रांसफर आदेश निरस्त होने के कारण हुआ था। ट्रांसफर निरस्त करवाने के लिए दिए गए लेटर पेड तक सार्वजनिक हो गए, जिससे भाजपा में बवाल और बढ़ गया। गूंज की मिले लेटर पेड को देखकर पता चलता है कि, नेताओ ने अपने कार्यकर्ताओं की भावनाओं को चोट पहुंचाने में कोई कोर-कसर नही छोड़ी और जैसे बन पड़ा ट्रांसफर का खेल खेलकर अपने व्यारे-न्यारे कर लिए। जिस ट्रांसफर को लेकर बवाल मचा उसमे सबसे पहले झाबुआ मंडल के अध्यक्ष अंकुर पाठक का एक लेटर पेड सामने आया, जिसमे उन्होंने दो शिक्षक रीता डामोर और सजंय शिकरवार के ट्रांसफर को निरस्त करने की अनुशंसा 18 अगस्त को की। 6 दिन बाद 24 अगस्त को अंकुर पाठक का एक और लेटर पेट सामने आया, जिसमे एक और कर्मचारी शंकरसिंह पालीवाल का नाम जोड़ कर स्थान्तरण यथावत रखने की अनुशंसा की गई। झाबुआ मंडल अध्यक्ष की अनुशंसा पर सांसद गुमानसिंह डामोर ने स्वयं के लेटर पेड पर स्थान्तरण निरस्त करवाने के लिए तीन की जगह चार नाम की अनुशंसा की जिसमे शिक्षक अनिता मैड़ा का नाम जोड़ा गया जो कि पूर्व कांग्रेसी विधायक की पत्नी बताई जा रही है।

जानकारी अनुसार सांसद द्वारा दिए गए चार में से दो नाम पर स्थान्तरण निरस्त करने की सहमति हुई जो कि दोनों नाम कांग्रेस से जुड़े और विवाद का कारण बने। पूरे मामले में आपसी सांठ-गांठ ओर लेन-देन तक के आरोप भाजपा कार्यकर्ता लगा रहे है। वही सांसद लगातार प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कांग्रेस नेताओं पर आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति पर से भी पर्दा उठ गया कि, वो केवल दिखावे की राजनीति है, असल मे उनका पुराना कांग्रेस प्रेम सामने आ गया।

बवाल हुआ तो एक ही दिनांक में हो गए दो आदेश, 15 दिन में हुए तीन आदेश जारी

ट्रांसफर में हुए खेल पर बवाल होना लाजमी था। बवाल हुवा भी तो ताबड़तोड़ में एक ही तारिख में दो आदेश ओर कुल मिला कर तीन आदेश जारी किए गए। जिससे भाजपा की ट्रांसफर नीति पर सवाल खड़े हो गए। जिसे जिले के भाजपा नेताओं ने पैसा बनाओ योजना की तरह जमकर उपयोग किया। शिक्षका रीता डामोर का नाम 8 अगस्त को जारी हुई सूची के अनुक्रमांक 16 पर दर्ज था, जिसके अनुसार पेटलावद विकास खण्ड के मठमठ भेजा गया था, उसे भाजपा के सांसद और मंडल अध्यक्ष की अनुशंसा पर निरस्त कर 31 अगस्त को रीता डामोर को यथावत करने के आदेश जारी किए गए। जिसके बाद भाजपा में विरोध शुरू हो गया। भाजपा में उठे बवाल को बढ़ता देख 31 अगस्त को पुरानी तारीख में एक और आदेश जारी किया गया, जिसमें रीता डामोर को झाबुआ से लगे पारा (रामा विकास खण्ड) में स्थान्तरण किया। विरोध कर कार्यकर्ताओ को शांत करने के उद्देश्य से ये हेर-फेर किया, जिसके चलते झाबुआ के पास ही स्थान्तरण कर विरोध में उतरी एबीवीपी को ठंडा पानी डालने की कोशिश की गई।

जिले भर में हुए स्थान्तरण पर उठ रहे सवाल

माही की गूंज अखबार व वेब न्यूज पार्टल में पहले ही खुलासा किया गया था कि, नेता स्थानीय स्तर पर चल रहे विवाद और वर्चस्व की लड़ाई के चलते अच्छे और भाजपा समर्थित परिवारों से जुड़े कर्मचारियों को ट्रांसफर के नाम पर निशाना बना रही है। जबकि जयस संगठन और कांग्रेस से जुड़े कर्मचारियों को वर्तमान भाजपा संगठन के नेता वसुली अभियान चलाकर निकल गए।

31 अगस्त को ही जारी हुए रीता डामोर को करडावद से रामा ब्लाक के पारा के आदेश।

कई कर्मचारियों के स्थान्तरण के बाद आपसी फूट ओर विवाद ने स्थान ले लिया। खासकर कई स्कूलों की व्यवस्था भी बिगड़ गई, जिसके बाद कई मंडल अध्यक्षो को स्थान्तरित हुए कर्मचारियों को रोकने के प्रयास करने पड़े रहे है।

रास्ते के लिए परेशान ग्रामीणों ने एसडीएम को दिया आवेदन, तीन किलोमीटर दूर वाहन खड़ा कर जाना पड़ता है फलिए तक

आजादी के 75 वर्षों के बाद भी एक एदत्त सड़क को मोहताज ग्रामीण

माही की गूंज, पेटलावद।

आजादी के 75 वर्ष बीत जाने के बाद भी अगर किसी गांव से बिजली, सड़क और पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं नही होने की जानकारी मिलती है, तो व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह लगता है जो अंतिम पंक्ति तक पहुँचने के दावे करती है। शासन द्वारा करोड़ो रूपए खर्च कर मनरेगा योजना अंतर्गत सदूर सड़क और पंच परमेश्वर योजना से सीसी रोड बनवाए जा रहे है। लेकिन ग्राम पंचायत इन योजनाओं का लाभ वास्तविक लोगो तक पहुँचाने में सफल नही हो पा रही है।

ग्राम पंचायत मोहनकोट के ग्राम गोठ में नाका फलिए में रहने वाले ग्रामीणजनों ने बुधवार को एसडीएम कार्यालय पहुँचकर आवेदन सौंपते हुए रास्ते को लेकर हो रही परेशानी से अवगत करवाया। ग्रामीणों ने आवेदन देते हुए बताया कि, ग्राम पंचायत के जिस नाका फलिए में हम रहते है वहां आने-जाने के लिए कोई सुरक्षित मार्ग, सड़क नही है और एक पगडंडी के माध्यम से यहां के लगभग 40 से 50 परिवार के लोगो को पैदल या दुपहिया वाहन से ही आना-जाना करना पड़ता है। बारिश में तो स्थिति इतनी गंभीर हो जाती है कि, फलिए तक दुपहिया वाहन तक नही पहुँच पाता और फलिए से तीन किलोमीटर दूर वाहनों को खड़ाकर घर जाना पड़ता है। सबसे ज्यादा परेशानी बुजुर्ग और गर्भवती महिलाओं को लेकर होती जब किसी भी गंभीर स्थिति में कोई वाहन फलिए तक सीधा नही पहुँच पाता है।

ग्रामीणों का कहना है कि, हमारे द्वारा ग्राम पंचायत को भी अवगत करवा कर सड़क बनाने की मांग की गई लेकिन कोई सुनवाई नही हुई है। ग्रमीणों ने तहसीलदार पेटलावद को आवेदन सौंपकर पिपलीपाड़ा घाटी से नाका फलियां तक रास्ता बनाने हेतु संबधित संस्था को कार्रवाई भेजकर समस्या का निराकरण करवाने की मांग की है।

उच्च शिक्षा विभाग मंत्री शुक्रवार को झाबुआ-अलीराजपुर के दौरे पर

झाबुआ, राणापुर में महाविद्यालय भवन का करेंगें लोकार्पण

माही की गूंज, झाबुआ। मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग मंत्री मोहन यादव शुक्रवार को झाबुआ-अलीराजपुर जिले के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान झाबुआ, राणापुर में नए महाविद्यालय भवन के लोकार्पण कार्यक्रम में भाग लेकर अलीराजपुर जिले के लिए रवाना होंगे। जहां उद्घाटन कार्यक्रमो में भाग लेने के बाद इंदौर और उज्जैन की ओर रवाना होंगे, तय दौरे अनुसार मंत्री मोहन यादव बदनावर मार्ग से झाबुआ जिले में प्रवेश करेगे।

दूधेश्वर मंदिर से तेजाजी मंदिर तक निकली भव्य शोभा यात्रा

माही की गूंज, मेघनगर। आदिवासी समाज सनातनी हिंदू है और युगों-युगों से सदियों-सदियों से समाज हिंदू धर्म का कार्य करते आया है और आज तक भी कर रहा है। सबसे ज्यादा सत्य वीर तेजाजी महाराज की कथा जनजाति समाज ही करता आ रहा है। बुधवार को जनजाति समाज के लोग ग्राम अंतरवेलिया में तेजा दशमी के शुभ अवसर पर दूधेश्वर मंदिर से कलश भरकर पैदल करीबन 7 किलोमीटर तक चलकर तेजाजी मंदिर तक भव्य शोभा यात्रा निकाली। कलश को तेजाजी मंदिर पर विसर्जित करके सत्य वीर तेजाजी महाराज की आरती उतारी गई। कार्यक्रम को हिंदू युवा जनजाति संगठन जिला झाबुआ संगठन मंत्री धनसिग भूरिया के नेतृत्व में हुआ। जिसमें सभी भक्तजन माता-बहने के साथ-साथ राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कार्यकर्ता मेगजी अमलियार, हिंदू युवा जनजाति संगठन वरिष्ठ कार्यकर्ता अकलेश रावत, जिला संगठन मंत्री धनसिंग भूरिया, अनिल वसुनिया, रवि वसुनिया आदि कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

मुनीश्री की नीश्रा मे तपस्या की झड़ी लगी

माही की गूंज, झाबुआ।

गुरु समर्पण चातुर्मास समिति के अंतर्गत परम पूज्य गच्छाधिपति आचार्य देवेश श्रीमद्विजय ऋषभचंद्र सूरीश्वरजी मसा के शिष्य मालवरत्न ओजस्वी वक्ता मुनिराज श्री रजतचन्द्र विजयजी मसा, मुनि श्री जीतचंद्र विजयजी मसा की निश्रा में बुधवार को कु.प्रिया राजेंद्रजी राठौड़ के मात्र गर्म जल के आधार पर 21 उपवास के अवसर पर चौविसी का भव्य आयोजन निज निवास लक्ष्मीबाई मार्ग पर सम्पन्न हुआ। गुरुवार को तप अनुमोदना का भव्य वरघोड़ा प्रातः 8.30 बजे से तपस्वी के निज निवासी से शुरू होगा और बावन जिनालय मंदिर पहुंचेगा। 10 बजे धर्मसभा एवं प्रवचन आयोजन के बाद तपस्वी का पारणा होगा एवं सकल श्री संघ का स्वामीवात्सल्य भी राजेंद्रजी राठौड़ झाबुआ द्वारा आयोजित किया गया है।

कु. दिशा जितेंद्र कांठी के 21 उपवास एवं उषा किरण कोठारी, मोनिका कोठारी को 14 उपवास की तपस्या पूर्ण होकर आगे बढ़ने की सम्भावना है। चेत्य परिपाटी का आयोजन होगा। चातुर्मास समिति के अध्यक्ष सुभाष कोठारी, सचिव उत्तम लोढ़ा ने बताया कि 20 सितम्बर को ऋषभदेव बावन जिनालय से महावीर बाग तक चौत्य परिपाटी का भव्य होगा। वहाँ प्रभु दर्शन, धर्मसभा , प्रतिष्ठा महोत्सव आदि की घोषणा एवं अन्य आयोजन होंगे। चौत्य परिपाटी आयोजन सपना जयेश संघवी के मासक्षमण तप की पूर्णाहुति अनुमोदना में हस्तीमल संघवी झाबुआ द्वारा किया जा रहा है। विशिष्ट भावना के साथ धर्मचंदजी मेहता झाबुआ एवं शरदजी पगारिया बदनावर ने लोच करा कर कर्म निर्जरा करने का प्रयास किया है। प्रतिदिन 6.30 बजे भक्तामर, गुरु चालीसा का मंगल पाठ, 9. 30 बजे प्रवचन व रात्रि में 7 बजे प्रतिक्रमण आदि अनुष्ठान चल रहे हैं।

सत्यनारायण मंदिर पर रखा गया संगीतमय बजरंग बाण पाठ का आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ।

शहर के राजवाड़ा स्थित श्री सत्नारायण मंदिर पर सार्वजनिक गणेश मंडल द्वारा इस वर्ष 87 वां गणेशोत्सव पर्व मनाया जा रहा है। इस बार मंडल द्वारा संक्षिप्त रूप से आयोजन किए जा रहे है।

जिसके क्रम में ही गणेशोत्सव के पांचवे दिन मंगलवार रात को मंडल के सदस्य स्व. महेश पांडे की स्मृति में उनके पुत्र उमेश पांडे ग्रुप द्वारा संगीतमय बजरंग बाण पाठ कार्यक्रम किया गया। उक्त कार्यक्रम मंडल के अध्यक्ष राजेन्द्रप्रसाद अग्निहोत्री (मुन्ना भाई) की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। जिसमें मंडल के सक्रिय सदस्य रविराजसिंह राठौर, सुनिल चौहान, सनी चौहान, उमेश पांडे, राहुल गोस्वामी, राजू मनोज कोठारी, पं. जैमिनी शुक्ला, जनार्दन शुक्ला, ऋतुराज सिंह राठौर, भागवत शुक्ला, निरंजन चौहान माधवभाई, विनोदभाई आदि ने उपस्थित रहकर लाभ प्राप्त किया। प्रतिदिन होने वाली रात्रि आरती के पश्चात 8 से 11 बजे तक 3 घंटे सतत रंगारंग भजनों की प्रस्तुति दी गई। जिसने सभी का मन मोह लिया। अंत में देश को कोरोना मुक्त करने के लिए कष्टभंजन देव से प्रार्थना कर पूजा-अर्चना की गई।

नामांतरण बंटवारे में किसी ने पैसा लिया तो उसे नौकरी से बाहर किया जाएगा- सीएम चौहान

माही की गूंज, आम्बुआ।

जिन लोगों के भूमि संबंधी नामांतरण बाकी है उन्हें समय पर किया जाएगा जहां तक हो आपसी सहमति से बंटवारे कराएं आपस में लड़ने से क्या फायदा यदि नामांतरण के प्रकरणों में किसी ने पैसा लिया तो वह नौकरी से बाहर होगा अभी मामा कड़की में है उधार लेकर विकास कार्य कर रहा हूं तथा बाद में लौटा देंगे।

उक्त विचार प्रदेश के मुखिया श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज 15 सितंबर को जोबट विधानसभा क्षेत्र के कस्बा आम्बुआ में कृषि उपज मंडी नाका स्थल के पास तिराहे पर बने मंच से व्यक्त करते हुए आगे कहा कि कोरोना महामारी अभी गई नहीं है सभी को वैक्सीन की डोज लेना है जिन्होंने टीका नहीं लगाया है वह लगवा ले उन्होंने सब से हाथ उठाकर टीकाकरण कराने का संकल्प लिया श्री चौहान ने आगे कहा कि प्रदेश का विकास भाजपा ने किया हमने तालाब, सड़के, छात्रावास, स्कूल आंगनवाड़ी बनवाए तथा अति शीघ्र जिले को नर्मदा का जल प्रदाय हेतु पाइप बिछाने का कार्य किया जा रहा है पूर्व की सरकार यानी श्री कमलनाथ ने कुछ नहीं किया हमने पेंशन योजना चालू की रोटी कपड़ा मकानों का इंतजाम किया है जिले में प्रधानमंत्री आवासों का कार्य चल रहा है तथा अति शीघ्र स्वीकृत किए जाएंगे केंद्र शासन की आयुष्मान कार्ड योजना के कई कार्ड बनाए जा रहे हैं जिले में 62 हजार के लगभग कार्ड बन चुके हैं तथा अभी कार्य चालू है इस कार्य के माध्यम बीमारों का 5 लाख तक का निशुल्क इलाज निजी तथा सरकारी अस्पतालों में हो सकेगा आगामी समय में किसानों के खेतों में सिंचाई हेतु कपिलधारा कुओं का निर्माण कराया जाएगा

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि, सहायता समूह को सशक्त बनाया जा रहा है उनके द्वारा बनाए गए सामानों तथा सब्जी फल आदि की पैकेजिंग कराई जा कर बाहर बाजारों में बेचा जाएगा नौजवानों को रोजगार दिया जाएगा तथा रिक्त पड़े पदों पर भर्तियां शुरू की जाएगी मुख्यमंत्री द्वारा मंच से आम्बुआ में श्मशान घाट की मांग पर अति शीघ्र राशि स्वीकृति, आदिवासी समाज के बाबा देव स्थलों का जीर्णोद्धार के साथ ही आम्बुआ, खट्टाली, आमखुट, बोरझाड़, बरझर में स्कूल भवन तथा आम्बुआ में कन्या हाई स्कूल के शीघ्र निर्माण की घोषणा की घोषणा पर उपस्थित हजारों की संख्या में ग्रामीणों ने हर्ष ध्वनि कर नारे लगाए शिवराज सिंह चौहान आम्बुआ में लगभग 3 बजे पहुंचे, जहां पर स्काउट बैंड से स्वागत किया गया। कन्या पूजन कर श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश में खुशहाली की प्रार्थना के साथ कोरोना से बचाने की प्रार्थना भी की। मंदिर के पुजारी चंद्रेश्वर भारती ने पूजा अर्चना संपन्न कराई। मुख्यमंत्री के साथ जिले के प्रभारी मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव, जिला भाजपा अध्यक्ष वकीलसिंह ठकराल, पूर्व विधायक माधौसिंह डावर, नागरसिंह चौहान, जिला जनपद अध्यक्ष श्रीमती सुनीता चौहान, पूर्व जिला अध्यक्ष किशोर शाह, हीरालाल शर्मा, जिला पंचायत सदस्य इन्दरसिंह चौहान, भदु पचाया, जुवानसिंह रावत, विकास माहेश्वरी आदि अनेक पार्टी नेता कार्यकर्ता उपस्थित रहे। शिवराज सिंह चौहान काफिले के साथ आजाद नगर की ओर प्रस्थान कर गए पुलिस प्रशासन की माकूल व्यवस्था रही।

सामाजिक महासंघ का दूसरा निःशुल्क वृहद शिविर का आयोजन 18 एवं 19 को

आयोजन के प्रचार-प्रसार हेतु प्रचार सामग्रीयों का हुआ विमोचन

माही की गूंज, झाबुआ।

सामाजिक महासंघ जिला झाबुआ द्वारा विगत दिनों सिद्धी हॉस्पिटल बड़ौदा की टीम के सौजन्य से दो दिवसीय निःशुल्क सर्व रोग निदान शिविर का आयोजन किया गया था। जिसे काफी सफलता मिलने के बाद दूसरा वृहद निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कृष्ण हॉस्पिटल आणंद (गुजरात) के सौजन्य से आगामी 18 एवं 19 सितंबर को अंबा पैलेस, ग्राम बाड़कुआं में किया जा रहा है। जिसका भव्यतम प्रचार-प्रसार आरंभ कर दिया गया है।

प्रचार-प्रसार के क्रम में ही मंगलवार को दोपहर 11.30 बजे स्थानीय पैलेस गार्डन पर उक्त दो दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर के बेनर-पोस्टर का विमोचन सामाजिक महासंघ के जिलाध्यक्ष नीरजसिंह राठौर, जिला महासचिव उमंग सक्सेना, वरिष्ठ डॉ. केके त्रिवेदी, एमएल फुलपगारे, पीडी रायपुरिया, अजय रामावत, संजय कांठी, विनोदकुमार जायसवाल, राजपूत समाज झाबुआ के अध्यक्ष भेरूसिंह सोलंकी, भेरूसिंह चौहान, पंकज जैन मोगरा, हरिश शाह लालाभाई, हार्दिक अरोरा, आरके लालन, रामप्रसाद वर्मा, कमता मेड़ा, अजयसिंह पंवार, अब्दुल रहीम अब्दु दादा अदि ने भारत माता और वंदे मातरम् के जयघोष के साथ किया। इस अवसर पर शिविर संयोजक वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. विजय मेरावत, डॉ. सोमिल जैन, डॉ. सुमित सोनी एवं वेदांत मिस्त्री भी उपस्थित रहे।

दो दिवसीय वृहद नि :शुल्क स्वास्थ्य षिविर की प्रचार-सामग्रीयों का विमोचन करते विभिन्न सामाजिक-धार्मिक, साहित्यिक संस्थाओं और समाजों के पदाधिकारीगण।

यह रहेगा समय, ये देंगे सेवाएं

सामाजिक महासंघ के जिलाध्यक्ष नीरजसिंह राठौर ने बताया कि शिविर का समय प्रथम दिन 18 सितंबर, शनिवार को सुबह 10 से शाम 5 बजे एवं दूसरे दिन रविवार को सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक रहेगा। इसमें श्री कृष्ण हॉस्पिटल बड़ौदा की टीम में मेडिसीन विशेषज्ञ डॉ. तपनकुमार पटेल एवं डॉ. हर्षवर्धन, सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. मिथुन बारोट एवं डॉ. जयकुमार चोटलिया, ईएनटी (नाक, कान, गला रोग विशेषज्ञ) डॉ. कुलदीप पंचोली एवं डॉ. नीरज आनंद, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रितेष जोशी एवं डॉ. प्रियांशी पटेल, अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. मोहित तोलानी एवं डॉ. चिंतनकुमार चौधरी अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे।

शिविर में यह रहेगा खास

सामाजिक महासंघ के जिला महासचिव उमंग सक्सेना ने बताया कि शिविर में अस्थि रोग जिसमें घुटने, कुल्हे एवं शरीर के अन्य हिस्सो में दर्द, स्त्री के समस्त प्रकार के रोगो, नाक, कान, गले के रोग, सर्जरी में हर्निया, मूत्ररोग, गुर्दे की पथरी, दूरबीन पद्धति द्वारा पित्ताशय की पथरी एवं एपेंडीक्स, पाचन-तंत्र संबंधित अन्य बिमारियां, मेडिसीन में हृदय रोग, थायराईड ग्रंथि, डायबिटिज एवं एनीमिया आदि समस्त प्रकार के रोंगों का निःशुल्क उपचार कर चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क परामर्श भी दिया जाएगा। शिविर में ईसीजी, बीपी, शुगर जांच निःशुल्क रहेगी। साथ ही दवाईयों एवं खून की जांच पर 50 प्रतिशत छूट रहेगी।

किया जा रहा प्रचार-प्रसार

मीडिया प्रभारी दौलत गोलानी ने बताया कि शिविर का भव्यतम रूप से प्रचार-प्रचार भी किया जा रहा है। जिसमें शहर के मुख्य स्थानों और चौराहों पर 5 बड़े हार्डिंग्स के साथ सूंपर्ण शहर में 25 छोटे होर्डिंग, जगह-जगह बेनर-पोस्टर चस्पा करने के साथ लगातार पेंपलेट्स वितरित, मीडिया एवं सोशल मीडिया के माध्यम से लगातार प्रचार-प्रसार आरंभ कर दिया गया, ताकि शिविर का अधिकाधिक लाभ शहर सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों के रहवासियों को भी मिल सके। साथ ही ऑटो रिक्षा पर भी बेनर-पोस्टर चस्पा कर एलाउंस भी करवाया जा रहा है।

विकासखंड में डेंगू का कहर, बीमारी को हल्के में ले रहा स्वास्थ्य विभाग

कोरोना के लिए जुटाए साधन आखिर कीस काम के, स्वच्छता अभियान को पलीता लगा रहे जिला कलेक्टर सोमेश मिश्रा

माही की गूंज, पेटलावद।

पूरा पेटलावद विकास खण्ड इन दिनों डेंगू की गंभीर बीमारी से घिरा हुआ है। पेटलावद नगर सहित बामनिया, सारंगी, रायपुरिया, करवड़, झकनावदा के साथ छोटी-छोटी ग्राम पंचायतों में डेंगू का लार्वा मिल चुका है, जिससे अब तक सैकड़ो लोग इस बुखार की चपेट में आ चुके है। लेकिन न तो जिला प्रशासन, न ही स्वास्थ्य विभाग की और से अब तक इस क्षेत्र में कोई बड़ी पहल करते नही देखे गए है। नतीजन बुखार से ग्रस्त लोगों को दाहोद, बड़ौदा, रतलाम आदि शहरों में इलाज के लिए जाना पड़ रहा है। कोरोना संक्रमण से निपटने के लिए सरकार ने प्रशासन के साथ मिलकर स्वास्थ्य सेवाओं की और विशेष ध्यान दिया था, लेकिन सारे साधन होने के बाद भी मरीजों को इसका कोई फायदा होता नही दिख रहा है।

कोरोना से लड़ने के लिए ही बचा है स्वास्थ्य अमला

कोरोना काल मे देखने मे आया था कि, स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टरों और कर्मचारियों ने अपनी जान की परवाह किए बेगर अपने आपको झोंक दिया था, लेकिन तीसरी लहर से पहले पूरा विभाग उसी जगह लौट गया जहां पहले था। हर वर्ष इस बीमारी के लक्षण दिखते ही स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन अलर्ट हो जाता था और साफ-सफाई, पावडर का छिड़काव, फोग मशीन का उपयोग, पानी मे दवाई का उपयोग कर घर-घर सर्वे का कार्य करते थे, लेकिन इस बार ऐसा कोई कार्य होते एक्का-दुक्का स्थानों को छोड़कर नही देखा गया। स्वास्थ्य अमले के रुख को देखकर भी लगता है कि, पूरा अमला कोरोना संक्रमण जैसी स्थिति में कार्य करने का इछुक है और बाकी समय मे मरीज डेंगू की जांच तक के लिए भटकता रहे।

स्वच्छता अभियान को लेकर कलेक्टर निष्क्रिय, लगा रहा स्वच्छता अभियान को पलीता

कोविड-19 टीकाकरण को लेकर जिला कलेक्टर सोमिश मिश्रा ने भले ही बडी सफलता अर्जित की हो, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा चलाए गए स्वच्छता अभियान को लेकर जिला कलेक्टर निष्क्रिय दिखाए पड़ रहे है। पेटलावद नगर सहित पूरे विकास खण्ड में गंदगी का अबमार लगा हुआ है, जहॉ से बीमारियों को खुला आमंत्रण दिया जा रहा है, जिसको लेकर स्थानीय प्रशासन, ग्राम पंचायत और जिला कलेक्टर मुख्य मार्गो पर साफ-सफाई कर स्थानीय प्रशासन अपने कार्य की इतिश्री कर लेता है और शिकायत जाने पर साफ-सफाई के फोटो भेजकर अपनी पीठ थप्प-थप्पा लेते है। सरकार सफाई को लेकर करोड़ों रुपए प्रति वर्ष खर्च कर तो रही है लेकिन उसके परिणाम में केवल मुख्य स्थानों पर ही सफाई देखने को मिलेगी और बाकी जगह गंदगी का अंबार लगा हुआ है। वाइरल बुखार, मलेरिया, डेंगू आदि गंभीर बीमारियों को देखते हुए बड़े स्तर पर साफ-सफाई अभियान चलाने की आवश्यकता है।

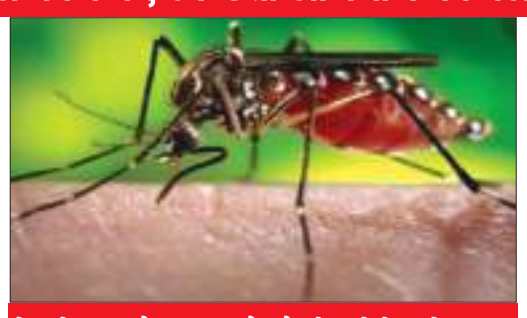

डेंगू के क्या है लक्षण और कैसे करे डेंगू से बचाव

डेंगू के लक्षण

- तेज बुखाररू डेंगू का सबसे प्रमुख लक्षण तेज बुखार है।
- बदन टूटनारू डेंगू में ज्यादातर जोड़ों, मांसपेशियों और हड्डियों में दर्द होता है।
- जी मिचलाना या नॉजीआ भी एक लक्षण है।
- चकत्ते या रैशेसरू डेंगू में छोटे लाल चकत्ते या रैशेस हो जाते है।

उपाय

- मच्छरों को दूर रखने के लिए मच्छर भगाने वाले रिपेलेंट, क्रीम, कॉइल और स्प्रे का इस्तेमाल करें।
- बाहर जाते समय, लंबी बाजू की शर्ट और लंबी पैंट पहनें।
- खिड़की और दरवाजों को सुरक्षित करें या यदि आवश्यक हो तो मच्छरदानी का उपयोग करें।
- यदि संभव हो तो एयर कंडीशनिंग घर के अंदर इस्तेमाल करें।

सरकारी लेब में नही हो रही डेंगू की जाँच, 700 रुपए में निजी लेब में जाँच करवाने पर मजबुर

लगभग 9 करोड़ रुपए की लागत से पेटलावद में सिविल हॉस्पिटल बनाया गया है और आधी-अधूरी सुविधाओं के बीच हॉस्पिटल भी शुरू हो चुका है। हॉस्पिटल में अत्याधुनिक लेब हेतु लाखों की मशीनें भी आ चूकी है लेकिन अब तक लेब शुरू नही हो सकी। इसलिए हॉस्पिटल में जाने वाले ज्यादातर मरीजों को वाइरल बुखार का इलाज कर दिया जाता हैं और जो मरीज बहार निजी लेब पर डेंगू की जाँच करवा रहे उनको जाँच के लिए 700 से 800 रुपए का भुगतान करना पड़ रहा है। वर्तमान में पेटलावद नगर सहित पूरे विकास खण्ड में डेंगू का कहर है, ऐसे में सिविल हॉस्पिटल की लेब को प्राथमिकता से शुरु कर डेंगू की जाँच शुरू की जानी चाहिए जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगो की जांच हो सके और समय से इलाज मिल सके।

जनपद पंचायत का कौन है वो साहब जो खाद्यान्न पर्ची बनाने के मांग रहा है पैसे?

रोजगार सहायक ने की खाद्यान्न पर्ची के लिए 500 रुपए की मांग, सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज

नीलेश बिलोदिया द्वारा सीएम हेल्पलाइन पर की गई शिकायत।

माही की गूंज, पेटलावद।

पेटलावद विकास खण्ड के जनपद पंचायत अधिकारी और उसके अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत के सचिव और रोजगार सहायक के जमीर तक मर चुके है। शासन भले ही इनको हजारों रुपए मासिक वेतन, भत्ता, निवास और अन्य सुविधाएं उपलब्ध करवा रहा हो, लेकिन इनकी निगाह केवल काली कमाई पर ही रहती है। जिसके लिए ये शासन की योजनाओं को माध्यम बनाकर गरीब जनता को लूटते है और मामूली से मामूली लाभ देने में भी अपनी कमाई करने से नही चूकते।

मामला ग्राम पंचायत कुंभाखेड़ी का है, जहाँ एक युवक की खाद्यान्न पर्ची बनवाने के लिए ग्राम पंचायत कुंभाखेड़ी के रोजगार सहायक ने 500 रुपए की मांग कर ली। युवक ने जब इस संबंध में जानकारी ली तो पता लगा कि, इस प्रकार को कोई राशि पर्ची के लिए भुगतान करने का प्रावधान नही है। निलेश बिलोदिया निवासी कुम्भाखेड़ी स्वयं की खाद्यान्न पर्ची के विगत 6 माह से परेशान है और पर्ची के लिए रोजगार सहायक को तीन से चार बार दस्तावेज दे चुका है, लेकिन अब तक पर्ची नही मिली।

जब नीलेश ने इस संबंध में रोजगार सहायक से बात की तो रोजगार सहायक कहना है कि, ऊपर साहब इस काम के 500 रुपए मांग रहे है, पैसे दे देना काम हो जाएगा। नीलेश को पैसे देने की बात गले नही उतरी ओर इसकी जानकारी लेने पर पता चला कि, शासन की और से हर पात्र व्यक्ति को निःशुल्क खाद्यान्न पर्ची देने के प्रावधान है। मामले की शिकायत नीलेश द्वारा सीएम हेल्पलाइन पर की गई, जहां से शिकायत क्रमांक 15298106 दिया गया है। अब शिकायतकर्ता को उम्मीद है कि, उससे खाद्यान्न पर्ची जल्द ही मिल सकेगी।

जिले में ''डेंगू पर प्रहार' का महाअभियान का शुभारंभ

माही की गूंज, झाबुआ। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के द्वारा बुधवार को कलेक्टर कार्यालय में 15 सितम्बर से जिले में डेंगू पर प्रहार का महाअभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जेपीएस ठाकुर, जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. डीएस सिसोदिया, जिला आयुष अधिकारी प्रमिला चौहान एवं बडी संख्या में आशा कार्यकर्ता उपस्थित थी।

उल्लेखनीय है कि वर्षा ऋतु उपरांत मच्छर जनित बीमारियों के फैलने की संभावना होती हैं । प्रदेश के कुछ जिलों में डेंगू के प्रकरण प्रकाश में आ रहे हैं । वर्तमान समय में वर्षा ऋतु होने सें वैक्टर जनित रोग जैसे मलेरिया,डेंगू, चिकुनगुन्या इत्यादि के संभावित प्रसार को देखते हुए इनके बचाव एंव नियंत्रण हेतु 15 सितम्बर से सम्पूर्ण जिले में ''डेंगू पर प्रहार'' का महाअभियान प्रारंभ किया जा रहा हैं । इस अभियान में डेंगू से बचाव एंव नियंत्रण के उपाय की जानकारी जन-जन तक पहूंचाने हेतु क्षैत्रीय कार्यकर्ताओं के द्वारा विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाएगा । ग्रामीण तथा शहरी क्षैत्र के प्रत्येक वार्ड में डेंगू से बचाव एंव नियंत्रण गतिविधियां संचालित किए जाने हेतु दल का गठन किया गया हैं। दल में मुख्यतः ग्राम की आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, पंचायत कर्मी, बहु.स्वा.कार्यकर्ता, नॉन मेडिकल असिसटेंट,मलेरिया निरीक्षक, व्हीबीडी टेक्नी.सुपरवाईजर इत्यादि मैदानी कार्यकर्ताओं द्वारा ग्रामों के प्रत्येक घरों में लार्वा सर्वे, स्प्रेस स्प्रे, जल-जमाव का निस्तारीकरण,एंव बुखार रोगियों की जांच एंव उपचार का कार्य किया जाएगा।

राहत भरी खबरः मंथली सीजन टिकट सेवा शुरू

माही की गूंज, बामनिया। कोरोना काल के चलते रेल्वेने यात्री गाड़ियों में एमएसटी (मंथली सीजन टिकट) सेवा बंद की थी। जिसे रेलवे द्वारा पुनः 15 सितंबर से शुरू किया गया है, उक्त सेवा सिर्फअनारक्षित गाड़ियों के लिए यह सुविधा यात्रियों को दी जाएगी।

क्षेत्र में अवैध धंधों का बड़े पैमाने पर चल रहा कारोबार

नशीले पावडर से जानलेवा ताड़ी बनाकर विक्रय करने वालों पर गिरी गाज

माही की गूंज, थांदला।

क्षेत्र के गांव-फलियों से लेकर कस्बो व नगरीय क्षेत्र के गली-मोहल्लों तक अवैध धंधेबाज लम्बे समय से सक्रिय होकर नवयुवकों को नशे की लत लगाकर उनके जीवन से खिलवाड़ कर रहे है। नशीले पदार्थो का अलावा क्षेत्र में अन्य अवैध समाज विरोधी व्यवसाय भी चल रहे है जिनमें जुआ, अवैध शराब के विक्रय से लेकर देह व्यापार तक के अड्डे बेधड़क चल रहे है। इन अवैध व्यवसाय को लेकर शांति समिति की बैठकों में भी अनेक बार इन मुद्दो पर मीडिया सहित नागरिकों ने पुलिस व प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया, परन्तु कोई ठोस नतीजा कभी सामने नही आया। पुलिस प्रशासन द्वारा अगर कभी इस बारे सक्रियता जताने के प्रयास किया भी तो नामचीन धंधेबाजों के गुर्गो के मामूली केश बनाकर इतिश्री कर ली गई है, जिसमे छुट्टी शराब के क्वार्टर बिक्री करने वाले अथवा ताड़ी बेचने वाले ही पकड़े गए।

नशीले पाउडर से बन रही थी ताड़ी

गत माह पुलिस ने आम लोगों की शिकायतो के बाद अवैध ताड़ी बनाकर बेचने वालों के अड्डे पर छापेमारी कर उन्हें जेल भेजने की कार्यवाही की थी। हाल ही में थांदला थाना प्रभारी कौशल्या चौहान थाना क्षेत्र के खवासा पुलिस चौकी में अपनी टीम के साथ देहात भ्रमण पर पहुची तब मुखबीर से सूचना प्राप्त हुई कि, एक व्यक्ति अवैध रूप से बाजना रोड पर ताडी बेच रहा है। सूचना पर थाना प्रभारी ने अपनी टीम के साथ मुखबीर के बताए स्थान पर पहुंचकर घेराबंदी कर तेलंगाना के एक व्यक्ति को अवैध रूप से ताडी बेचते पकड़ा। खवासा कस्बे में बिक रही जहरीली ताड़ी की जानकारी क्या चौकी प्रभारी को नही थी...? मुखबिर द्वारा थाना प्रभारी को ही सूचना देना ही स्पष्ट करता है कि, चौकी प्रभारी कार्रवाई नही करेंगे...?

तेलंगाना राज्य का निकला निवासी

थाना प्रभारी द्वारा पूछताछ के दौरान उसने अपना नाम पिद्दी नागराज पिता पिद्दी रामलू (25) निवासी पेडोनीभावी, ग्राम पंचायत बोलेपाली, थाना एवं तहसील कटन्गौर जिला नगगौंडा (तेलंगाना) का होकर हाल मुकाम गोपाल कॉलोनी खवासा में रहना बताया। जिसके कब्जे से अवैध रूप से 80 बल्क लीटर ताडी किमती 8 हजार रूपए एवं ताडी बनाने का स्प्रिटयुक्त नशीला पावडर उप्पु कुल 100 ग्राम एवं पिडीं कुल 275 ग्राम बरामद किया गया। आरोपी से पुछताछ करने पर आरोपी द्वारा उप्पू एवं पिंडी पावडर एवं अन्य चीजे मिलाकर नकली ताडी बनाना बताया। जो आरोपी का कृत्य धारा 34 (2), 49 आबकारी एक्ट के तहत दण्डनीय पाया जाने से ताडी जप्त की गई एवं आरोपी को गिरफ्तार कर थाना थांदला पर आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमांक 548/2021 का कायम किया गया।

पूर्व में भी बाहरी व्यक्ति पकड़े गए, चौकी प्रभारी को जानकारी क्यो नही...?

पूर्व में भी नशीले पावडर से थांदला में ताड़ी बनाकर बेचने वालों की धरपकड़ में बाहरी व्यक्ति ही पकड़े गए थे। आश्चर्य की बात यह है कि, बाहरी प्रदेशो से ऐसे व्यक्ति क्षेत्र में आकर अवैध धंधों में लिप्त हो जाते है और पुलिस को जानकारी ही नही होती है। क्या यह सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह नही है...? जबकि पुलिस प्रशासन का ही स्पष्ट निर्देश है कि, होटल, लाज, धर्मशाला में ठहरने वालो तथा किराए से रहने वालों बाहरी लोगों की जानकारी सम्बंधित पुलिस थाने या चौकी पर अनिवार्य रुप से दिया जाना है। कहा गए वह निर्देश...? क्यो नही करवाया जा रहा इसका पालन...? अगर कोई संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियो का समूह क्षेत्र में इस तरह रहकर कोई बड़ी वारदात या घटना को अंजाम दे देगा उसके बाद पुलिस किस पर क्या कार्रवाई करेगी...?

क्षेत्र में बड़े पैमाने पर वरली मटके के अलावा क्रिकेट सट्टा, अवैध शराब का कारोबार के साथ ही देह व्यापार भी चल रहा है। अच्छा हो कि पुलिस संघनता से ऐसे समाज विरोधी व्यवसाय करने वाली के विरुद्ध भी मुहिम चलाकर नवयुवकों की भावी पीढ़ी के साथ ग्रामीणों को भी इस लत से छुटकारा दिलाने में सक्रियता दिखाए ।

खवासा कस्बे में नकली ताड़ी बनाकर बेचने वाले के विरुद्ध कार्रवाई एसडीओपी थांदला मनोहरसिंह गवली के मार्गदर्शन में की गई। जिसमें थाना प्रभारी थांदला कौशल्या चौहान, आरक्षक राहुल, आरक्षक अनिल, आरक्षक रेवसीह, आरक्षक महेन्द्र नायक का योगदान रहा।

पुलिस चौकी पर युवाओं व पटवारी के साथ हुई ऐसी झड़प की मामला हाथापाई तक पहुंच सकता था

मामलाः पंचायत भवन निर्माण में भराव हेतु मोरम खुदाई की शिकायत में शिकायतकर्ता का नाम अधिकारियों ने किया सार्वजनिक

माही की गूंज, खवासा।

यह सही है कि, हर आम आदमी का मकान निर्माण हो या शासकीय भवन का निर्माण हर कोई एक सामान्य स्थिति में भराव भरने हेतु मोरम का उपयोग करता है। वैसे तो मोरम खनिज विभाग के अधीन होकर उसकी रॉयल्टी कटवाकर ही मोरम चाहे आम हो या शासकीय निर्माण का कार्य रॉयलटी कटवाकर ही मोरम ला सकते है। परंतु यह आम है कि, मकान निर्माण में थोड़ा बहुत मोरम लगता है मानकर रॉयल्टी नहीं कटवाते हैं। वहीं आमजन भी इस बात को भली-भांति जानते हैं इसलिए कोई इस संबंध में शिकायत भी नहीं करता है।

परंतु किसी की नीजी रूप से द्वेषता या निजी स्वार्थ के चलते कभी-कभार मकान निर्माण हेतु लाए जाने वाले मोरम की शिकायतें पटवारी से लेकर एसडीएम तक कर दी जाती है। ऐसी शिकायतें कई बार देखने को मिलती है कि, स्थानीय प्रशासन जहाँ बड़े रूप से ठेकेदार मोरम का खनन करते हैं और वहां की शिकायत होती है तो, स्थानीय प्रशासन वहां अपनी सक्रियता नहीं दिखाते हैं। लेकिन जहां मकान निर्माण के लिए भराव हेतु शिकायत होती है तो ऐसे में स्थानीय प्रशासन के नुमाइंदे अपनी सक्रियता दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ते ऐसा कई बार देखने में आता है।

खैर, जहां कहीं भी छोटा हो या बड़ा नियम के विरुद्ध कार्य होता है तो प्रशासन कार्रवाई करने के लिए बाध्य है। परंतु अधिकारी अपने आप को सही या किसी प्रभारी के समक्ष अपनी वफादारी साबित करने के लिए शिकायतकर्ता का नाम उजागर करता है यह कहां तक न्याय संगत है?

मामला, खवासा पंचायत के नए भवन के निर्माण का कार्य शुरू किया जिसके भराव हेतु ग्राम पंचायत सामान्य रूप से शासकीय भवन के कार्य के लिए मशीन से मोरम खनन करवाकर ट्रैक्टरों से ढोकर ला रहे थे। स्थानीय युवा के एक समूह के कुछ सदस्य ने मिलकर पटवारी को बिना रॉयल्टी के मोरम खनन की जानकारी देने हेतु फोन लगाया। परंतु पटवारी का फोन अटेंड नहीं होने पर थांदला तहसीलदार शक्ति सिंह को फोन लगाकर शिकायत की।

तहसीलदार ने शिकायत मिलने पर पटवारी को फोन लगाकर वास्तविक जानकारी जानने हेतु निर्देशित किया। पर पटवारी ने फोन पर ही कोटवाल को आदेश दे कर मौके पर भेजा, वरन खवासा पुलिस को भी जानकारी दी गई। जिस पर मौके पर कोटवाल के साथ पुलिस जवान भी पहुंचे। मौके पर उपस्थित ग्राम पंचायत सचिव कांतिलाल परमार ने पुलिस आरक्षक के साथ बात करने के साथ ही फोन पर पटवारी से बात कर बताया किसी निजी कार्य के लिए नहीं बल्कि पंचायत के भवन का भराव करने हेतु ले जाया जा रहा है। तो वही मशीन की खराबी होंने पर मोरम ढुलाई बंद कर दी, वही मामला शांत होकर बाद में मोरम लाकर भराव किया गया।

अधिकारी द्वारा शिकायतकर्ताओं के नाम उजागर करने पर मामला गरमाया

उक्त मामला बिना किसी कार्रवाई के रात में शांत हो गया लेकिन पंचायत के प्रतिनिधि को जिज्ञासा रही कि, पंचायत के काम में किसने शिकायत की। पटवारी के सुबह आने के बाद पटवारी द्वारा युवा समूह के संरक्षक का नाम सार्वजनिक रूप से लेते हुए तहसीलदार साहब को इसने शिकायत की थी कहा।

जिस पर युवा समूह का सरंक्षक अपने साथियों के साथ पुलिस चौकी पहुंचा और पुलिस के समक्ष ही पटवारी से तू- तू मैं- मैं होने के साथ ऐसी झड़प हो गई। फिर पटवारी ने जिस मोबाइल से फोन लगाया उसके नंबर के साथ ट्रूकॉलर में तहसीलदार साहब के मोबाइल में जिसका नाम गया उसका नाम उजागर किया। जिसके बाद और मामला बिगड़ने लगा और बात हाथापाई तक पहुंचने लगी, वो तो खैरियत रही कि बीच-बचाव में आकर लोगों ने पटवारी को पकड़कर चौकी कक्ष में जाकर बिठा दिया और कहां सुनी के साथ मामला शांत हो गया यह गनीमत रही।

यहाँ बात यह आती है कि, यह जो भी हुआ या कुछ बड़ा विवाद हो जाता तो इसका जवाबदार कौन होता?

शिकायतकर्ताओ ने किस मद के साथ शिकायत की यह एक अलग विषय है। परंतु शिकायतकर्ताओ ने शिकायत तहसीलदार को की, निर्देश पटवारी को दिए और पटवारी ने शिकायकर्ताओ का नाम उजागर किया, जिसे क्या समझा जाए?

तहसीलदार ने तय है पटवारी को शिकायतकर्ताओ का नाम बताया? और पटवारी ने अपने रूबाब या फिर पंचायत के प्रतिनिधिओ के समक्ष उनके प्रति समर्पित होने का सबूत देने के लिए बचकानी हरकतों के साथ शिकायतकर्ता का नाम उजागर किया।

अगर आगे प्रशासन इन बचकानी हरकतों से बाज़ नही आया तो तय है जिले में आगे बड़ी घटना को अंजाम दे सकते है।

संपादकीय

एक और निर्भया: शर्मनाक यौन अपराधों का अंत नही

मुंबई में दुराचार और अमानवीय क्रूरता के चलते एक युवती की मौत ने एक बार फिर अपराधियों में कानून का भय न होना दर्शाया है। यह भी कि हमारा कानून व पुलिस बेटियों को सुरक्षा कवच देने में नाकाम रहे हैं। वर्ष 2012 में दिल्ली की निर्भया के साथ जैसी क्रूरता की गई थी, वही राक्षसी व्यवहार मुंबई की निर्भया के साथ भी हुआ है। नि:संदेह यह राष्ट्रीय शर्म का विषय है कि, घर से निकलने वाली बेटियां अमानवीय क्रूरता की शिकार हो रही हैं। अपराधियों में यह धारणा लगातार बनी हुई है कि, वे अपराध करने के बाद भी बच जाएंगे। हमें इस सवाल पर गंभीरता से सोचना होगा कि, अपराधियों में कानून का खौफ क्यों नहीं है। हमारे समाज में ऐसी सोच क्यों पनप रही है जो महिलाओं के प्रति नफरत-क्रूरता को दर्शाती है। उसके साथ बेजान वस्तु जैसा व्यवहार क्यों किया जाता है जबकि पुरुष, माँ-बहन व बेटी के बिना अधूरा है। क्या कहीं अपराधी की परवरिश में खोट है या हमारा वातावरण इतना विशाक्त हो चला है कि, वह लगातार ऐसे अपराधियों को पैदा कर रहा है। हमें तमाम ऐसे सवालों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। ये ही वजह है कि, महिलाओं के प्रति क्रूरता करने वालों के साथ तालिबानी न्याय करने की बात उठने लगी है।

कुछ वर्ष पूर्व दक्षिण भारत में एक बलात्कार की घटना और क्रूरता के बाद पुलिस पर अपराधियों के साथ बंदूक से न्याय करने का दबाव बना था। बाद में जब बलात्कारी पुलिस मुठभेड़ में मारे गए थे तो महिलाओं ने पुलिस का अभिनंदन किया था। यह भाव दर्शाता है कि, आम धारणा बन रही है कि न्यायिक प्रक्रिया से संगीन अपराधियों को समय रहते समुचित दंड नहीं मिल पाता। देश ने देखा था कि, निर्भया कांड के दोशी सजा होने के बाद भी कानूनी दांव-पेचों का सहारा लेकर पुलिस-प्रशासन व न्याय व्यवस्था को छकाते नजर आए। इस घटनाक्रम ने शीघ्र न्याय की आस में बैठे लोगों को व्यथित किया था। हाल के दिनों में मुंबई और पुणे में दुराचार व सामूहिक बलात्कार के कई मामले प्रकाश में आए। कमोबेश देश में भी ऐसी तमाम घटनाएं सामने आती रहती हैं जो दर्शाती हैं कि, पथभ्रष्ट लोगों में स्त्री अस्मिता व गरिमा के लिए कोई जगह नहीं है, जिसके चलते यौन अपराध और फिर हत्या का सिलसिला जारी है। अपराधी समाज का अंग होने के बावजूद महिला-बच्चियों व उसके परिजनों के दर्द की कतई परवाह नहीं करते।

वर्ष 2012 में निर्भया कांड ने देश की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया था। पूरे देश में व्यापक आक्रोश सामने आया था। उसके बाद यौन हिंसा से जुड़े कानूनों को सख्त बनाया गया था। दोषियों को कठोरतम सजा से दंडित भी किया गया था। लेकिन लगता है कि दिल्ली की निर्भया का बलिदान व्यर्थ चला गया। आज भी पीड़ित महिला व परिजनों को न्याय पाने के लिए यातनादायक लंबी प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। वहीं यौन अपराधों का आंकड़ा चौंकाने वाले स्तर तक बढ़ा है। यौन हिंसा के बाद तब तक मामला सुर्खियों में रहता है जब राजनीतिक दल राजनीति करते रहते हैं और मीडिया में मामला गर्म रहता है। फिर यौन पीड़िता का शेष जीवन सामाजिक लांछनों और हिकारत की त्रासदी के बीच गुजरता है। उ.प्र. में हाथरस से लेकर उन्नाव तक यौन हिंसा के मामले में ऐसा हुआ। यहां तक कि यौन हिंसा के आरोप मंत्रियों व विधायकों तक पर लगे। पिछले दिनों शिव सेना के एक मंत्री पर गंभीर आरोप लगे, आरोप लगाने वाली महिला की आत्महत्या के बाद मंत्री का इस्तीफा तो हुआ लेकिन क्या पीड़िता को न्याय मिला...?

दरअसल, सत्ताधीश भी कोई गंभीर पहल नहीं करते जो पीड़िताओं का दर्द बांट सके और जांच व न्याय प्रक्रिया में तेजी लाकर नजीर पेश कर सकें। तभी आपराधिक तत्वों को खेलने का मौका मिलता है। मुंबई कांड में एक गिरफ्तारी हुई है, एसआईटी का गठन हुआ है और राजनीतिक दबाव के बाद फास्ट ट्रैक कोर्ट में मामला चलाने की बात की जा रही है, लेकिन क्या अमानवीयता का शिकार हुई महिला को न्याय मिल सकेगा...? और अगर लड़खड़ाते हुए न्याय भी मिलेगा तो कितने समय बाद...?

भारत से उत्पादों के निर्यात ने पकड़ी तेज रफ्तार

कोरोना महामारी की प्रथम एवं द्वितीय लहर के दौरान पूरे विश्व का विदेशी व्यापार बुरी तरह से प्रभावित हुआ था। विभिन्न देशों के बीच उत्पादों का व्यापार एकदम निचले स्तर पर आ गया था। चूंकि कोरोना महामारी की द्वितीय लहर एवं कुछ देशों में तृतीय लहर का असर अब कुछ कम होने लगा है अत: विभिन्न देशों के बीच विदेशी व्यापार में सुधार देखने में आ रहा है। भारत से तो विभिन्न उत्पादों के होने वाले निर्यात में एकदम उच्छाल देखने में आया है। अगस्त 2021 माह में भारत से विभिन्न उत्पादों का निर्यात 3 हजार 314 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा, जो अगस्त 2020 माह में किए गए निर्यात से 45.17 प्रतिशत एवं अगस्त 2019 माह में किए गए निर्यात से 27.5 प्रतिशत अधिक है। यदि अप्रेल-अगस्त 2021 की अवधि के दौरान देश से किए गए विभिन उत्पादों के निर्यात के आंकड़ों पर ध्यान किया जाए तो यह 16 हजार 367 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा है, जो अप्रेल-अगस्त 2020 की अवधि में किए गए निर्यात से 66.92 प्रतिशत अधिक है एवं अप्रेल-अगस्त 2019 की अवधि में किए गए निर्यात से 22.93 प्रतिशत अधिक है। भारत ने वित्तीय वर्ष 2021-22 में निर्यात के लिए 40 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य का 41 प्रतिशत भाग अप्रेल-अगस्त 2021 माह तक प्राप्त कर लिया गया है। निर्यात में अगस्त 2021 माह तक हुई वृद्धि दर को देखते हुए तो ऐसा प्रतीत होता है कि, वर्ष 2021-22 के लिए निर्धारित किए गए निर्यात का लक्ष्य आसानी से प्राप्त कर लिया जाएगा।

भारत से निर्यात किए जा रहे उत्पादों की टोकरी में शामिल विभिन्न उत्पादों का विश्लेषण करने पर ज्ञात होता है कि, देश से रोजगारोन्मुखी उद्योगों के उत्पाद तेज गति से बढ़ रहे हैं। यह देश के लिए हर्ष का विषय होना चाहिए, क्योंकि इन उद्योगों से निर्यात के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर भी पर्याप्त मात्रा में निर्मित हो रहे हैं। भारत से निर्यात होने वाले 80 उत्पादों की देश से होने वाले कुल निर्यात में 50 प्रतिशत से अधिक की भागीदारी है। इन उत्पादों में विशेष रूप से शामिल हैं पेट्रोलीयम उत्पाद, कृषि उत्पाद, मछली एवं मांस के उत्पाद, केमिकल उत्पाद, दवाईयों के उत्पाद, धातु के उत्पाद, ऑटो, रेल, पानी के जहाज एवं हवाई यातायात के उपकरण आदि। वित्तीय वर्ष 2012-13 में भारत से होने वाले कुल निर्यात के 50 प्रतिशत भाग में केवल 20 उत्पादों का ही योगदान रहता था। इस प्रकार इन 8 वर्षों के दौरान देश से निर्यात किए जाने वाले उत्पादों की टोकरी में शामिल उत्पादों का विस्तार हुआ है।

कृषि क्षेत्र से निर्यात का बढ़ना भी देश के लिए हर्ष का विषय है। क्योंकि इससे किसानों की आय में वृद्धि दृष्टिगोचर है। वैसे भी हमारे देश में लगभग 60 प्रतिशत आबादी अभी भी ग्रामों में ही निवास करती है जो अपनी आजीविका के लिए मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र पर ही निर्भर है। देश के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का केवल 16 से 18 प्रतिशत तक का योगदान रहता है। ऐसे में यदि कृषि क्षेत्र से निर्यात बढ़ रहे हैं तो इससे किसानों की आय में वृद्धि हो रही है और देश के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र का योगदान बढ़ने के आसार नजर आने लगे हैं एवं इस प्रकार ग्रामीण इलाकों में गरीबी में कमी आने की सम्भावना बनती नजर आ रही है।

हाल ही के समय में एल्यूमिनियम के उत्पाद, फर्निचर के उत्पाद, पानी के जहाज एवं नाव के उत्पाद, हवाई जहाज एवं स्पेस जहाज के उपकरण एवं जिंक के उत्पाद के निर्यात में बहुत तेज गति से वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है और अब ये उत्पाद भी उन 80 उत्पादों में शामिल हो गए हैं, जिनका देश के कुल निर्यात में 50 प्रतिशत से अधिक का योगदान है। परंतु, हीरे एवं जवाहररात (जेम्स एवं ज्वेलरी) एवं टेक्स्टायल क्षेत्र के उत्पादों में अभी भी आकर्षक वृद्धि दर हासिल नहीं की जा सकी है। इन क्षेत्रों में भी रोजगार के अधिक से अधिक अवसर निर्मित हो सकते हैं। भारत सरकार ने हाल ही में उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना प्रारम्भ की है तथा निर्यातकों को अन्य प्रकार के प्रोत्साहन (यथा निर्यातकों द्वारा कच्चे माल एवं परिष्कृत किए जा रहे माल पर राज्य एवं केंद्र सरकार को अदा किए गए विभिन्न प्रकार के करों की निर्यातकों को वापसी) आदि भी दिए जा रहे हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत शामिल किए गए विभिन्न उद्योगों से भी अब निर्यात बहुत तेज गति से आगे बढ़ेगा।

प्रह्लाद सबनानी

साथ ही, अब तो अन्य देशों की अर्थव्यवस्थाएं भी कोरोना महामारी के असर से उबरकर पटरी पर वापिस आती जा रही हैं, इसका असर भी हमारे देश से होने वाले निर्यात पर अच्छा प्रभाव डाल रहा है।

निर्यात के साथ ही देश में विभिन्न उत्पादों के आयात में भी द्रुत गति से वृद्धि देखने में आ रही है। अगस्त 2021 माह में भारत के आयात 4 हजार 701 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रहे हैं जो अगस्त 2020 माह के आयात की तुलना में 51.47 प्रतिशत अधिक हैं। इसी प्रकार अप्रेल-अगस्त 2021 की अवधि के दौरान भी आयात 21 हजार 954 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रहे हैं जो अप्रेल-अगस्त 2020 की अवधि के दौरान किए गए आयात से 81.75 प्रतिशत अधिक हैं। भारत से विभिन्न उत्पादों के किए गए कुल निर्यात की तुलना में भारत में विभिन्न उत्पादों के हुए कुल आयात के अधिक होने के कारण व्यापार घाटे में भी तेजी देखने में आई है और यह अगस्त 2021 माह में 1 हजार 387 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया है जो अगस्त 2020 में 820 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा था।

भारत में विभिन उत्पादों के तेज गति से बढ़ रहे आयात का आश्य यह है कि, भारत में आर्थिक गतिविधियों में तेजी से सुधार हो रहा है एवं देश आर्थिक क्षेत्र में ''वी'' आकार की रिकवरी करते हुए आगे बढ़ रहा है।

पेगासस: चिलमन से लगे बैठे है

डॉ. वेद प्रताप वैदिक

पेगासस जासूसी का मामला उलझता ही जा रहा है। जब यह पेगासस कांड हुआ तभी मैंने लिखा था कि, सरकार को कुछ प्रमुख विरोधी नेताओं की सर्वथा गोपनीय बैठक बुलाकर उन्हें जरुरी बातें बता देनी चाहिए ताकि जासूसी का यह मामला सार्वजनिक न हो। हर सरकार को जासूसी करनी ही पड़ती है। कोई भी सरकार जासूसी किए बिना रह नहीं सकती लेकिन यदि वह यह सबको बता दे कि, वह किस-किस की जासूसी करती है और कैसे करती है तो उसकी भद्द पिटे बिना नहीं रह सकती। सरकार की बेइज्जती तो होती ही है, उससे बड़ा नुकसान यह होता है कि, देश के दुश्मनों, आतंकवादियों, तस्करों, ठगों और चोरों को भी सावधान होने का मौका मिल जाता है। ऐसा नहीं है कि, यह पेंच हमारी सरकार को पता नहीं है लेकिन उसने पेगासस के मामले को कमरे में बैठकर सुलझाने की बजाए अब उसे अदालत के अखाड़े में खम ठोकने के लिए छोड़ दिया है। कुछ पत्रकारों ने याचिका लगाकर सरकार से पूछा है कि, वह दो सवालों का जवाब दे। एक तो उसने पेगासस का सॉफ्टवेयर इस्तेमाल किया है या नहीं...? यदि किया है तो किस-किस के विरुद्ध किया है...? उसमें क्या पत्रकारों और नेताओं के नाम भी है...? वे राष्ट्रविरोधियों और आतंकियों के नाम नहीं पूछ रहे हैं। अब सर्वोच्च न्यायालय भी यही पूछ रहा है। उसने पूछा है कि, जासूसी करते समय सरकार ने क्या अपने ही बनाए हुए नियमों का पालन किया है...? सरकार की घिग्घी बंध गई है। कभी वह कहती है कि, इस सूचना को वह सार्वजनिक नहीं कर सकती। कभी कहती है कि, वह विशेषज्ञों की एक निष्पक्ष कमेटी से जांच करवाने को तैयार है। अदालत का कहना है कि, कमेटी अपनी रपट जब पेश करेगी तो सारे रहस्य क्या खुल नहीं जाएंगे...? अदालत ने सरकार से पूछा है कि, पहले वह यह बताए कि उसने पेगासस उपकरणों का इस्तेमाल किया भी है या नहीं...? सरकार की बोलती बंद है।

एक शेर उसकी स्थिति का सुंदर वर्णन करता है 'साफछुपते भी नहीं, सामने आते भी नहीं। अजब पर्दा है कि चिलमन से लगे बैठे हैं।' यदि अदालत अड़ गई तो यह चिलमन भी चूर-चूर हो जाएगी। यदि सरकार ने निर्दोश नेताओं, पत्रकारों और उद्योगपतियों की जासूसी की है तो वह उनसे माफी मांग सकती है और ऐसी गलती कोई भी सरकार भविष्य में न कर सके, उसका इंतजाम कर सकती है। उसका वर्तमान तेवर उसकी छवि को धूमिल कर रहा है और संसद के आगामी सत्र में उसको विपक्ष के आक्रमण का भी सामना करना पड़ेगा।

धंधे के अपग्रेड मॉडल से हलाकान बंदे

कोरोना वैक्सीन अभी सभी को न लगी है, पर यह चर्चाएं चलनी शुरू हो गई हैं कि वैक्सीन के दो डोज ही काफी नहीं हैं, इनके बाद वैक्सीन बूस्टर लगवाना जरूरी है। बूस्टर के बाद संभव है कि कोई दवा कंपनी कह दे कि, बूस्टर प्लस लगवाए बगैर तो कोई सेफहै ही नहीं। कोरोना वैक्सीन न हुई मानो एप्पल फोन का अपग्रेड हो गया, जिसे लिए बगैर पुराने एप्पल फोन की सेहत सही न रहेगी। बूस्टर, अपग्रेड के बगैर काम न चल रहा है, कंपनियों का। बंदे का भले ही काम चल जाए, दो डोज में, पर दवा कंपनी का काम न चलेगा। कोरोना आया और उसे फुलटू न निचोड़ा तो क्या फायदा कोरोना का। अपग्रेड का धंधा चकाचक है। मूल प्रोडक्ट से ज्यादा कंपनियां अपग्रेड से कमाती हैं। बंदा एक ही बार खरीदकर रह जाए कोई आइटम तो धंधा कैसे चलेगा।

टीवी सीरियल इस धंधे को अलग तरह से कर रहे हैं। मिर्जापुर सीरिज आई, इसकी नंगई से मन न भरा, तो जी पार्ट टू आया। पार्ट टू की नंगई पर्याप्त न लग रही हो, तो पार्ट थ्री भी आएगा। सीजन दर सीजन मिर्जापुर चलता जाएगा। पब्लिक न चाहेगी, तब भी कुछ दिन चलेगा। एक वक्त यह हुआ था नोकिया कंपनी के साथ, पब्लिक उकता कर भाग गई थी। पर पब्लिक उकताती नहीं है आसानी से। नागिनों से न उकताई, भूतों से न उकताई। नंगई से क्या उकताएगी। गालियों के अपग्रेड का धंधा लगातार चलेगा। नई नंगई, एकदम उम्दा नंगई, अपग्रेड लेवल की, नए माडल की कुछ इस टाइप की बातें इश्तिहार में आ सकती हैं। नंगई का धंधे से गहरा रिश्ता है। जो नंगई के धंधे में न हैं, वो भी पर्याप्त नंगे होकर नोट पीट लेते हैं, इसके लिए चाहे उन्हें कितने ही अपग्रेड लाने पड़ें।

आलोक पुराणिक

कुछ बिल्डर निवेशकों का पैसा हजम कर गए। जेल गए, फिर महंगे वकीलों की सेवा लेकर जमानत पर ऐश कर रहे हैं। यह अलग किस्म की नंगई है और पर्याप्त पैसे देती है। ब्रज क्षेत्र की एक कहावत का आशय है कि, नंगे के आगे तो चोर भी नतमस्तक होता है। चोर समझ लेता है इससे क्या ले पाऊंगा। इसे तो हाथ जोड़कर ही निकल लो। बिल्डर से लेकर तमाम फाइनेंशियल इनवेस्टमेंट तक के क्षेत्र में बड़े-बड़े नंगे टहल रहे हैं। आखिर में दवा से लेकर दारू तक सब कुछ धंधा ही हो जाता है। धंधे का मतलब सेल अधिकतम हो जाए। अपग्रेड वाली कंपनियां कहीं श्मशान घाट के धंधे में ना उतर जाए। पता लगे कि, अग्नि को समर्पित हो लिया है बंदा, और आग बंद हो गई, फिर मैसेज आया कि चिता के पैकेज का अपग्रेड लो, तब मामला निपटेगा। बंदा क्या कर सकता है, वहीं अपग्रेड लेगा। तब आगे का कार्यक्रम संभव हो पाएगा। बिना अपग्रेड के बंदा फूंक भी न सकता, यह होने वाला है। यह धंधे का अपग्रेड मॉडल है।

गांधी ने एकता का आधार बनाया हिंदी को

गांधी का जीवन और चिंतन स्वराज्य, धर्म, अहिंसा तथा सत्य के लिए समर्पित था, लेकिन राष्ट्रभाषा हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं के लिए भी प्रेम कम न था। उन्होंने एक बार कहा था कि, मैं अंग्रेजी से प्रेम करता हूं, परंतु हिन्दी से मेरा विशेष प्रेम है। यह प्रेम सभी भारतीय भाषाओं के लिए था और उन्होंने देहावसान से पहले कहा था कि, दुनिया से कह दो, 'गांधी को अंग्रेजी नहीं आती।' गांधी ने दक्षिण अफ्रीका में हिन्दी तथा भारतीय भाषाओं तमिल आदि का उपयोग किया था और 'हिन्द स्वराज' (1909) में वे पश्चिमी संस्कृति तथा उपनिवेशवाद के विरुद्ध अपनी संस्कृति, स्वराज्य तथा भाषा के उपासक के रूप में सामने आए। गांधी बैरिस्टर तो थे ही, लेकिन उससे भी अधिक वे भारत-प्रेमी, सत्याग्रही, लोक नायक, लेखक, पत्रकार तथा भाषा-चिंतक भी थे। उन्होंने जिस क्षेत्र में भी काम किया, देश और मानव-हित सर्वोपरि था। भारत के संदर्भ में भाषा का प्रश्न भी महत्वपूर्ण था, क्योंकि बहुभाषी देश में अंग्रेजी भाषा के प्रभुत्व, संकुचित प्रांतीयता, स्वार्थी शिक्षित वर्ग तथा व्यापक अशिक्षा के कारण इतना उलझ गया कि, वे आजादी मिलने तक उस समस्या से जूझते रहे। गांधी ने दक्षिण अफ्रीका से भारत आने से लेकर अपने बलिदान तक के लगभग चालीस वर्षों में सैकड़ों बार अपने भाषणों, पत्रों तथा लेखों में देश की भाषा-समस्या के हल के लिए एक राष्ट्रीय भाषा-नीति की रचना का प्रयत्न किया और उसे स्वराज्य से जोड़कर देखा। गांधी ने बार-बार कहा कि, यदि स्वराज्य देश के करोड़ों भूखे, अनपढ़ तथा दलितों के लिए होना है तो उनकी जनभाषा हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाना होगा। उन्होंने देखा कि, अंग्रेजी पढ़ा-लिखा वर्ग विदेशी भाषा-संस्कृति का गुलाम है और वे 'जनता के दुश्मन' तथा 'मातृ द्रोही' बन गए हैं। गांधी ने अपनी भाषा-नीति में अंग्रेजी भाषा को दो रूपों में देखा, एक प्रशंसात्मक तथा दूसरे आलोचनात्मक एवं बहिष्कारमूलक। गांधी की आरंभिक शिक्षा गुजराती, संस्कृत तथा अंग्रेजी में हुई थी और जब वे बैरिस्टरी की पढ़ाई के लिए इंग्लैंड गए तो वे न अंग्रेजी ठीक प्रकार से बोल सकते थे और न अंग्रेजों की अंग्रेजी समझ ही सकते थे, लेकिन वे अंग्रेजी के प्रशंसक थे, क्योंकि अंग्रेजी कूटनीति, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, आधुनिक ज्ञान-विज्ञान, राज्याधिकारियों से संपर्क एवं अर्थ-प्राप्ति आदि की भाषा थी, परंतु उनका दृढ़ मत था कि हमें अंग्रेजी भाषा एक राष्ट्रवादी भारतीय की तरह पढ़नी-लिखनी तथा प्रयोग में लानी चाहिए।

गांधी ने जीवन-भर भाषा के प्रश्न को राष्ट्रवादी भारतीय की दृष्टि से देखा और 'हिंद स्वराज' में लिखा कि, मैकाले ने अंग्रेजी शिक्षा के द्वारा हमारी गुलामी की बुनियाद डाली और अंग्रेजी सत्ता के लिए कारकून पैदा किए, पश्चिमी सभ्यता के प्रचारक बनाए, हमें अंधविश्वासी बनाया तथा हिंदू धर्म एवं प्राचीन साहित्य का तिरस्कार किया। इससे गांधी के अनुसार, हमारी भाषिक गुलामी हुई और सांस्कृतिक अध:पतन हुआ और अंग्रेजी शिक्षा ने हमें नपुंसक, प्रज्ञाहीन तथा कायर बना दिया और हम अपने देश में ही विदेशी हो गए, हमारा मौलिक चिंतन समाप्त हो गया और अंग्रेजी शिक्षित युवक परिवार एवं समाज से कटकर अहंकारी हो गए। गांधी की दृष्टि में अंग्रेजी का प्रभुत्व अंग्रेजों की सांस्कृतिक विजय और भारत की संस्कृति की पराजय का प्रतीक है। इसी कारण गांधी राजभाषा, मातृभाषा, राष्ट्रभाषा, शिक्षा, दैनिक एवं पारिवारिक व्यवहार में अंग्रेजी को बिल्कुल बरदाश्त करने को तैयार नहीं थे। अत: गांधी स्वतंत्र भारत में अंग्रेजी का बहिष्कार करके आम जनता की भाषा हिन्दी को राजभाषा, राष्ट्रभाषा तथा विभिन्न प्रांतों से संपर्क भाषा बनाना चाहते थे।

गांधी की भाषा-नीति का प्रमुख आधार स्वतंत्रता, राष्ट्रीय एकता, सह-अस्तित्व तथा स्वदेशी भाषाओं का प्रचार-प्रसार था। उनके लिए भाषा 'माता' के समान थी और वे अपनी मातृभाषा की कमियों के बावजूद उसी तरह चिपटे रहना चाहते थे जैसे एक बच्चा अपनी मां की छाती से चिपटा रहता है जो उसे जीवनप्रद? दूध देती है। इसी से 'हिंद स्वराज' में उन्होंने मातृभाषा में शिक्षा का समर्थन किया। मातृभाषा तृणवत हो तब भी वह उपयोगी है। गांधी कहते थे कि, जो मातृभाषा से प्रेम करता है वह राष्ट्रभाषा के प्रति भी वैसा ही भाव रखता है और फिर वे हिंदुस्तान में 'एक देश एक भाषा' की चर्चा करते हैं। वे कहते हैं कि, यदि हिंदुस्तान एक राष्ट्र है तो उसकी एक राष्ट्रभाषा होनी चाहिए। हिंदुस्तान की एक राष्ट्रभाषा की वे कसौटी तय करते हैं, सर्वसाधारण समझता हो, अंतर्प्रांतीय व्यवहार में आ सके, भारतीयता का भाव उत्पन्न करे, प्रांतीय भाषाओं के साथ स्पर्धा न करे, राष्ट्र को एकताबद्ध करे तथा हिंदू-मुस्लिम एवं हिंदी-उर्दू में एकता कर सके। गांधी दक्षिण अफ्रीका से आने के बाद यह कहते रहे कि, वे हिंदी को ही राष्ट्रभाषा बनाने का प्रयत्न करते रहेंगे, लेकिन वे राष्ट्रभाषा 'हिंदी' के नाम में परिवर्तन करते रहे। वे कहते थे कि 'हिंदी' ही मूल शब्द है और उसमें उर्दू शामिल है और दृढ़ता से कहते थे कि 'हिंदी' नाम कभी नहीं बदला जाएगा, परंतु कुछ कारण अवश्य रहे होंगे जिससे गांधी हिंदी के लिए 'हिंदी या हिंदुस्तानी', 'हिंदी-हिंदुस्तानी', 'हिंदुस्तानी', हिंदी और उर्दू', 'हिंदी या हिंदुस्तानी या उर्दू' आदि नए-नए नाम देते रहे। गांधी के मन में हिंदू-मुस्लिम तथा हिंदी-उर्दू की एकता की प्रबल इच्छा थी, क्योंकि वे स्वराज्य के लिए उसे अनिवार्य मानते थे। गांधी की इस भाषा-नीति के कारण हिंदू और मुसलमानों में कुछ ने उनका विरोध किया, पुरुषोत्तम दास टंडन ने 'हिंदी साहित्य सम्मेलन' से इस्तीफा दे दिया और गांधी ने हिंदी प्रचार-सभा बनाई।

गांधी ने 24 जुलाई 1947 को प्रार्थना सभा में कहा था, 'आज तो मैं दोनों भाषाओं का शत्रु बना हुआ हूं, मगर दोनों का खैरख्वाह था तो वह गांधी ही था।' गांधी ने एक भाषा के साथ एक लिपि के प्रश्न को उठाया। उन्होंने 'एक लिपि परिषद्' की स्थापना की और काका कालेलकर को इसका संयोजक बनाया। गांधी मानते थे कि देवनागरी लिपि सर्वाधिक वैज्ञानिक लिपि है और वह भारतीय भाषाओं की सामान्य लिपि हो सकती है। जो भारतीय भाषाएं संस्कृत से निकली हैं, वे तो देवनागरी लिपि सरलता से अपना सकती हैं। गांधी देवनागरी तथा फारसी लिपि में देवनागरी लिपि को ही श्रेष्ठ मानते थे, लेकिन हिंदी और उर्दू के लिए वे देवनागरी तथा फारसी दोनों लिपियों को अनिवार्य मानते थे। वे स्पष्ट कहते हैं कि, उर्दू लिपि सीखना राष्ट्रीय कार्य है और जो इसे पसंद नहीं करता वह स्वराज्य को भी पसंद नहीं करता। इसके बावजूद वे कहते हैं कि देवनागरी लिपि सबसे अधिक वैज्ञानिक लिपि है, वह निर्दोश है, परिपूर्ण है तथा राष्ट्रीय एकता के लिए जरूरी है। इन दो लिपियों में जो ज्यादा लिखी जायेगी, जिसका ज्यादा जोर होगा तथा जो ज्यादा सरल होगी, वही राष्ट्रीय लिपि होगी। इस प्रकार गांधी ने बहुभाषी एवं बहुलिपि देश के लिए भाषा-लिपि का एक भारतीय मॉडल दिया, अंग्रेजी भाषा का वर्चस्व तोड़ा, हिंदी को राष्ट्रभाषा एवं संपर्क भाषा बनाने का प्रयत्न किया तथा एक भाषा एक लिपि के लिए राष्ट्रीय चेतना उत्पन्न की। गांधी भाषा-चिंतक थे, लेकिन भाषाविद् नहीं थे और हिंदी भाषा उनके लिए स्वराज्य तथा एकता का आधार थी। उनके जीवन काल में ही उनकी भाषा नीति की आलोचना शुरू हो गई थी और स्वतंत्रता के बाद भी एकमत नहीं हो पाया और अंग्रेजी की सत्ता और मजबूत हो गयी, हिंदी राष्ट्रभाषा अपने अधिकारों से वंचित रखी गई और प्रांतीय भाषाएं विरोध में खड़ी हो गईं। इधर स्थिति कुछ बदल रही है और हिंदी भाषा की स्वीकृति बढ़ती जा रही है, परंतु गांधी का 'एक भाषा एक लिपि' का स्वप्न पूर्ण होने की प्रतीक्षा कर रहा है।

कमल किशोर गोयनका

महिला ने एसपी को आवेदन देकर की कार्रवाई की मांग, आत्मदाह की दी चेतावनी

एसडीएम ने जांच के लिए गठित किया दल, होगा जमीन का सीमांकन

माही की गूंज, मल्हारगढ़ (मंदसौर)। साहिल अगवान

मल्हारगढ़ क्षेत्र के ग्राम बरखेड़ापंथ में एक वेयर हाउस संचालक की दबंगई से तंग आकर एक महिला ने मंगलवार को एसपी कार्यालय पहुंच एसपी से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की। कार्रवाई नहीं होने पर परिवार ने आत्मदाह करने की धमकी भी दी। इस शिकायत के बाद एसडीएम रोशनी पाटीदार ने मौके पर कार्य रुकवा दिया है व पीड़िता को स्टे दे दिया। जांच के लिए दल गठित किया गया है, मामले में 18 सितंबर को सीमांकन करने के निर्देश दिए हैं।

जानकारी अनुसार बरखेड़ापंथ निवासी महिला सोहनबाई पति कंवरलाल ने पुलिस अधीक्षक सुनीलकुमार पांडे के समक्ष प्रस्तुत होकर एक आवेदन सौंपा। इसमें आरोप लगाया कि, पिपलियामंडी निवासी कैलाशचंद पोरवाल ने खात्याखेड़ी स्थित उसकी निजी कृषि भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर पक्का निर्माण कर लिया है। इस संबंध में पहले शिकायत पिपिपलियामंडी थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी से भी की गई, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। क्षेत्र के पटवारी से भी शिकायत की लेकिन पटवारी ने ध्यान नहीं दिया। वहीं पीड़िता ने एसडीएम रोशनी पाटीदार व तहसीलदार वंदना हरित को भी शिकायत की लेकिन आज तक कार्रवाई नहीं हुई। इससे प्रताड़ित होकर मंगलवार को पीड़िता परिवोर सहित पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची और अपनी शिकायत बताई। आवेदन में मांग की गई कि, 72 घंटे में कैलाश पोरवाल द्वारा किए गए कब्जे को हटाया जाए, कार्रवाई नहीं होने पर उक्त परिवार ने आत्मदाह करने की चेतावनी दी है।

रात में चलाया काम

महिला ने आवेदन सौंपकर आरोप लगाया कि, वेयर हाउस संचालक ने रात में ही मेरे खेत में दीवार बना दी। जब सुबह हम अपने खेत गए तो वहां दीवार बनी हुई थी। कुछ दिन पहले भी एक अन्य महिला ने कैलाश पोरवाल पर जमीन के राशि नहीं देने व रजिस्ट्री करवाने के लिए धमकी दी व दबंगई करने का आरोप लगाया था। मल्हारगढ़ थाने में शिकायत की थी।

मामले में पिपलियामंडी चौकी प्रभारी कपिल सौराष्ट्रीय का कहना है कि, मामला मेरे क्षेत्र का नहीं है। यह मल्हारगढ़ थाना क्षेत्र का मामला है। वह जो घटनाक्रम है वह राजस्व का है, एसडीएम द्वारा टीम गठित की गई है।

मल्हारगढ़ एसडीएम रोशनी पाटीदार ने बताया कि, शिकायत मिलने के बाद वेयर हाउस की दीवार का काम रुकवा दिया है, एक दल भी गठित किया गया है जो दोनों पक्षों की जमीन का सीमांकन करेगा। इसके बाद अगर दीवार गलत पाई गई तो उसे हटवाएंगे। 18 सितंबर को सीमांकन होगा।

लव मैरिज करने की सजाः हथौड़े से लड़की के परिजनों ने कर दी प्रेमी की पिटाई

माही की गूंज, शाजापुर।

सोशल मीडिया पर मारपीट का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें कुछ लोग लोहे के हथौड़े से एक युवक को बुरी तरह से मारपीट करते हुए दिखाई दे रहे हैं। पूरा मामला शाजापुर जिले के मक्सी का है मामला प्रेम प्रसंग का है। कुछ दिन पूर्व मक्सी निवासी युवक-युवती ने दोनों की राजीमर्जी से आर्य समाज में शादी कर ली थी, जिसको लेकर दोनों परिवार राजी नहीं थे। जिसके बाद में दोनों परिवार वालों ने समझौता किया था कि, लड़के वाले के घर लड़का रहेगा और लड़की वाले के घर लड़की। समाजजनों ने पूरा मामला बैठकर दोनों परिवार की आपसी रजामंदी से सुलझाया था। जिसके बाद में शाजापुर के मक्सी में एक वीडियो वायरल हुआ है जहां पर कुछ लोग युवक को लोहे के हथौड़े से एक के बाद एक कई वार करते हुए मारपीट कर रहे हैं, जिस पर मक्सी पुलिस ने सामान्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया था। जिसके बाद में बुधवार को शाजापुर में भावसार समाजजनों के द्वारा पुलिस अधीक्षक को एक ज्ञापन सौंपा गया है, जिसमें उन्होंने दोषियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं मक्सी पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि, मक्सी थाना प्रभारी के द्वारा आरोपियों को बचाया गया है। उन्होंने दोषियों पर कड़ी से कड़ी की कार्रवाई की मांग की है।

परिवहन मंत्री गड़करी 11 हजार करोड़ की परियोजना का करेंगे लोकार्पण/भूमि-पूजन

माही की गूंज, मंदसौर।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी आज इंदौर स्थित ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में लगभग 11 हजार करोड़ रुपए लागत की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का भूमि-पूजन और लोकार्पण करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान करेंगे। लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव और लोक निर्माण राज्य मंत्री सुरेश धाकड़ भी मौजूद रहेंगे। केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दोपहर 3 बजे रतलाम जिले में जावरा पहुंचेंगे। वहां पर दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे निर्माण कार्य का जायजा लेने के बाद हेलीकॉप्टर से शाम 5 बजे इंदौर पहुंचेंगे। श्री गडकरी शाम 6 बजे इंदौर में ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेटर में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के बाद, रात्रि विश्राम इंदौर में ही करेंगे। गडकरी 17 सितंबर को सुबह 10 बजे विशेष विमान द्वारा बडोदरा (गुजरात) के लिए रवाना होंगे।

देश की सर्वाधिक महत्वाकांक्षी परियोजना दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे भारत माला परियोजना के अंतर्गत देश की राजधानी दिल्ली से देश की वाणिज्यिक राजधानी मुंबई को जोड़ने वाली सर्वाधिक महत्वाकांक्षी परियोजना है। लगभग 1 हजार 350 किलोमीटर लंबाई वाले इस मार्ग के निर्माण पर भारत सरकार द्वारा 90 हजार करोड़ रुपए की राशि व्यय की जा रही है। इस परियोजना को जनवरी 2023 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह राष्ट्रीय राजमार्ग देश के पांच राज्यों दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र से होकर गुजरेगा।

म.प्र. में एक्सप्रेस-वे का 245 किलोमीटर मार्ग

देश की इस महत्वाकांक्षी परियोजना का 245 किलोमीटर एरिया मध्यप्रदेश में राजस्थान के रामगंज मंडी से प्रवेश करता हुआ मंदसौर, रतलाम, झाबुआ जिले से गुजरता अनास नदी के पास गुजरात राज्य में प्रवेश करेगा। प्रदेश में 245 किलोमीटर एक्सप्रेस-वे निर्माण पर 11 हजार 183 करोड़ रुपए का व्यय होगा। प्रदेश में एक्सप्रेस-वे का निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है। यह एक्सप्रेस-वे मध्यप्रदेश के विकास में वरदान सिद्ध होगा। प्रदेश के सीमावर्ती जिले झाबुआ, रतलाम, मंदसौर के साथ उज्जैन, इंदौर भी दिल्ली और मुम्बई से सीधे जुड़ सकेंगे। एक्सप्रेस-वे आस-पास के क्षेत्र में आर्थिक विकास गतिविधियों का तेजी से विकास संभव होगा।

ब्यूटी पार्लर कोर्स का समापन, लाभार्थियों को किए प्रमाण-पत्र वितरित

माही की गूंज, भानपुरा।

आज के दौर में ब्यूटी पार्लर स्वरोजगार के लिए एक बहुत अच्छा साधन है। महिला हो या पुरुष आज अपने सुंदर लुक के प्रति सजग नजर आते हैं। सरकार भी महिलाओं के लिए ब्यूटी पार्लर कोर्स को बढ़ावा दे रही है।

भानपुरा नगर में हैप्पीनेस ब्यूटी पार्लर द्वारा 65 बालिकाओं व महिलाओं को ब्यूटी पार्लर कोर्स का प्रशिक्षण देकर प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। संचालिका डिंपल वधवा द्वारा नव भारत विकास महिला शिक्षण व प्रशिक्षण संस्था के साथ मिलकर अपने संस्थान पर गरीब बच्चों व महिलाओं को नाम मात्र की फीस पर प्रशिक्षण प्रदान कर रहे है। डिंपल वाधवा का सपना है कि, हर महिला स्वरोजगार की ओर बढ़े व अपने पैरों पर खड़ी हो, महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए यह प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद 65 महिलाओं व बालिकाओं को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट रीना प्रजापति, नव भारत विकास महिला शिक्षण व प्रशिक्षण संस्था के डीसी वर्मा व हरीश वाधवा उपस्थित थे।

संचालिका डिम्पल वधवा ने बताया कि, गरीब बच्चों के लिए यह कोर्स है। मैं चाहती हूं कि, सभी महिला अपने पैरों पर खड़ी हो व आगे बढ़े किसी पर आश्रित न रहे।

प्रोफेशनल मेकअप आर्टिस्ट रीना प्रजापति ने कहा कि, एनआईडीएस द्वारा आज का प्रोग्राम संचालित किया गया है। मेरे द्वारा सवाल किए गए और उनके जिस प्रकार से मुझे जवाब मिले तो मुझे पूरी पूरी उम्मीद है यह सभी छात्र एक अच्छा मुकाम हासिल करेंगे।

योजना संचालक डीसी वर्मा ने बताया कि, हमारा संस्थान ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कंप्यूटर प्रशिक्षण सिलाई व बुनाई का प्रशिक्षण में प्रदान करता है। यह योजना महिलाओं को स्वरोजगार प्रदान करने के लिए चलाई जा रही है।

सांस की बीमारी के कारण हुई ओंकारेश्वर थाने में बंद आरोपी की मौत- गृह मंत्री डॉ. मिश्रा

इंदौर। इंदौर संभाग के खंडवा जिले के थाना ओंकारेश्वर में एक आरोपी की पुलिस हिरासत में हुई। मौत के संबंध में गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने ट्वीट कर बताया है कि, खंडवा जिले के ओंकारेश्वर थाने में आरोपी किशन मानकर की संदिग्ध मौत का मामला सामने आया है। मृतक किशन को भाई और अन्य साथियों के साथ मोटरसाइकिल चोरी के आरोप में थाने लाया गया था।

किशन के भाई का कहना है कि, उसे सांस की बीमारी थी लेकिन मृत्यु का असल कारण पीएम रिपोर्ट के आने के बाद पता चलेगा। बाइक चोरी के आरोप में पुलिस उसे थानें लेकर आई थी, पूछताछ के बाद रात में उसकी हालत बिगड़ी और अस्पताल में उसने दम तोड़ दिया। मामले में गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने टीआई गणपतलाल कनेल, एसआई मायाराम समेत दो कांस्टेबल को निलंबित कर न्यायिक जांच के आदेश दिए है।

जानकारी अनुसार, मृतक किशन पिता जीवालाल निवासी गांव गोगावा निपानी, जिला खरगोन को बाइक चोरी के आरोप में सोमवार को पुलिस द्वारा पकड़कर थाने लाया गया था। आरोपी से बाइक बरामद कर ली गई थी, नामजद आरोपी होने से पुलिस ने उससे पूछताछ की। जिसके बाद उसे खाना दिया, रात के करीब 12 बजे उसे घबराहट होने लगी। पुलिस उसे ओंकारेश्वर के सरकारी अस्पताल ले गई, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

अमानक पोलथिन के कट्टे मिलने पर दो गोडाउन सील

इन्दौर। नगर निगम आयुक्त सुश्री प्रतिभा पाल द्वारा शहर में अमानक व प्रतिबंधित पोलिथिन का क्रय व विक्रय करने वालो के साथ ही संग्रहित करने वालो के विरूद्ध संघन अभियान चलाकर कार्रवाई करने के समस्त स्वास्थ्य अधिकारी, सीएसआई व अन्य अधिकारियो को निर्देशित किया था। नगर निगम आयुक्त सुश्री पाल के निर्देश के क्रम में झोन 18 के स्वास्थ्य अधिकारी संदीप पाटोदी व क्षेत्रीय सीएसआई अनिल सिरसिया द्वारा झोन क्षेत्रांतर्गत लगातार निगरानी रखी जा रही है कि, किसी भी प्रकार से अमानाक व प्रतिबंधित केरीबेग व पोलिथिन का क्रय-विक्रय व संग्रहण तो नही किया जा रहा है। उक्त संघन अभियान के तहत स्वास्थ्य अधिकारी श्री पाटोदी व सीएसआई श्री सिरसिया को जानकारी मिली कि, लोहामंडी क्षेत्र में माही ट्रांसपोर्ट पर अमानक पोलिथिन को संग्रहित कर रखा गया है। इस पर माही टांसपोर्ट का निरीक्षण करने पर यहां पर 19 कट्टे अमानक पौलिथिन के मिलने पर निगम द्वारा अमानक पोलिथिन के कट्टे जप्त करते हुए माही ट्रांसपोर्ट के गोडाउन को सील करने की कार्रवाई की गई।

इसके साथ ही झोन 18 के अंतर्गत खण्डवा रोड लाइंस पर भी अमानक पोलिथिन के 7 कट्टे मिलने पर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी व सीएसआई अनिल सिरसिया द्वारा मौके पर ट्रांसपोर्ट के मालिक को बुलवाया गया। मालिक के नही आने पर अमानक पोलिथिन के कट्टे जप्त कर ट्रांसपोर्ट के गोडाउन को सील किया गया।

डेंगू पर प्रहार कार्यक्रम का शुभारभ

माही की गंज, शाजापुर।

''डेंगू पर प्रहार'' कार्यक्रम का शुभारभ शाजापुर नगर के अयोध्या बस्ती वार्ड क्रमांक 3 में किया गया। कार्यक्रम में अम्बाराम कराडा, कलेक्टर दिनेश जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा अयोध्या बस्ती वार्ड क्रमांक 3 भ्रमण कर गली, मोहले में डेंगू का लार्वा खोजने का कार्य किया गया। साथ ही लोगो में जनजागरुकता के लिए संम्पूर्ण शहर में आटो रिक्शा द्वारा प्रचार प्रसार एवं डेंगू से संबधित पेम्पलेट्स का वितरण भी किया गया।

वैक्सीन नहीं लगवाने वाले व्यापारियों के खिलाफ शुरू हुई कार्रवाई

अभियान चलाकर 7 स्थायी एवं हाथ ठेला दुकानदारों के बनाए चालान

माही की गूंज, झाबुआ। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के आदेश एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी एलएस डोडिया के निर्देश पर नगरपालिका झाबुआ की राजस्व शाखा की टीम द्वारा शहर में कोरोना महामारी से बचाव हेतु जिन दुकानदारों ने अब तक वैक्सीन का प्रथम एवं द्वितीय डोज नहीं लगवाया है, ऐसे दुकानदारों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई आरंभ कर दी है।

जिसके प्रथम दिन मंगलवार को दोपहर 12.30 बजे से बस स्टेंड पर अभियान चलाते हुए यहां यात्री प्रतिक्षालय के आसपास लगे ठेला व्यवसाईयों से उनके आधार कार्ड एवं मोबाईल नंबर के आधार पर ऑनलाईन मशीन के माध्यम से चेक किया गया कि उन्होंने अब तक टीकाकरण करवाया है या नहीं। टीकाकरण नही करवाने पर चालान बनाए गए। बाद बस स्टेंड पर नगरपालिका कॉम्प्लेक्स के दुकानदारों सहित यहां दुकानों के सामने लगी ठेलगाड़ी व्यापारियों से भी चर्चा करते हुए उनसे टीकाकरण के बारे में पूछताछ कर मशीन से चेक करने पर टीक नहीं लगा होना पाए जाने पर टीकाकरण हेतु सख्त हिदायत देकर कई के चालान भी बनाए।

दुकान मालिक के साथ काम करने वाले कर्मचारियों का भी टीकाकरण जरूरी

होटल, किराना, फल-फ्रुट दुकानों सहित समस्त दुकानों के संचालकों के साथ ही उनके यहां काम करने वाले सभी कर्मचारियों का भी वैक्सीनेशन होनो अनिवार्य है। इस हेतु भी दुकानदारों को समझाया गया। साथ ही जिन कर्मचारियों का वैक्सीनेशन नहीं हुआ था, उन्हें तत्काल ही अपने समीपस्थ स्वास्थ्य केंद्र या टीकाकरण केंद्र पर जाकर टीका लगवाने हेतु कहा गया। बिना टीकाकरण के दुकानदार अपना व्यवसाय संचालित नहीं कर सकते है वहीं ऐसे कर्मचारियों से भी कार्य नहीं करवा सकते है, जिन्होंने टीका नहीं लगवाया है। साथ ही टीका लगवाने के बाद अपनी दुकान पर टीकाकरण का प्रमाण-पत्र चस्पा करना या रखना अनिवार्य है।

झाबुआ के बस स्टेंड पर यात्री प्रतिक्षालय के समीप हाथ ठेलागाड़ी व्यवसायी का चालान बनाते नपा की राजस्व शाखा की टीम।

प्रकृति प्रेमियों ने शमी पौधे रोपकर शनि देव के चरणों में किए समर्पित

माही की, शुजालपुर।

नगर की जीवनदायिनी जमधड मैया के तट पर स्थित प्राचीन शनिदेव मन्दिर परिसर अकोदिया नाका में बजरंग बाबा के सानिध्य में पर्यावरण प्रेमियों द्वारा शमी के पौधो का रोपण किया गया।

शनिदेव को प्रसन्न करने में महति भूमिका निभाने वाले शमी पौधे जिसे शनि देव का साक्षात रूप कहा गया है। इसका विशेष महत्व शनि मंदिर पर पांच की शुभ संख्या के साथ लगने से बड़ जाता है।

प्राचीन शनि मंदिर शुजालपुर पर शनिवार से प्रारम्भ किए अभियान को साफ-सफाई के बाद पांच शमी के पौधों को लगाकर सुरक्षा के लिए पांच टी-गार्ड लगाने मिट्टी डालने के कार्य को मंगलवार तक पूरा कर लिया गया। शमी के पौधों को वृक्ष बनने में शनिदेव सहाय हो यह प्रार्थना सभी उपस्थित जनों ने शनि देव और बजरंगबली से की।

पार्षद प्रवीण जोशी और परशुराम सेना मुख्यप्रबन्धन समिति सदस्य ओम पंचोली द्वारा लिए गए ग्यारह सौ पोधो के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए विभिन्न चरणों मे अभियान को आगे बढ़ाया जा रहा हैं। उक्त पुनीत कार्य में अन्य सहयोगीजन शिक्षक प्रदीप व्यास, कपिल व्यास, अनिल पाठक, अखिलेश जोशी आदि उपस्थित रहे।

प्राचीन शनि मंदिर समिति शुजालपुर की ओर से जितेंद्र सिसोदिया ने आगामी निर्माण कार्य को ध्यान में रखते हुए शनि मंदिर मुख्य पुजारी कैलाश नारायण शर्मा को साथ लेकर उचित स्थान पर पौधारोपण करवाने में महती भूमिका अदा की।

इस अवसर पर उपस्थित जनों ने नगरवासियों से अपील की कि, महामारी से जीवन की ओर एक कदम आगे बढ़ाते हुए नगरवासी अपने आस-पास के प्राकृतिक सौंदर्य के प्रति संवेदनशील होकर अधिक से अधिक पौधों को रोपें। साथ ही पेड़-पौधों, पक्षियों एवं अन्य जीवों की रक्षा कर एक जागरूक नगरवासी की तरह अपने कर्तव्यों का पालन करें तो ईश्वर भी इस कोरोना महामारी से निजात दिलाने में हमारी मदद जरूर करेगा एवं प्राकृतिक धरोहर के प्रति आभार प्रकट करते हुए पर्यावरण को सहेजने का संकल्प लें।

अपराधिक गतिविधियों में लिप्त दो व्यक्ति जिला बदर

माही की गूंज, शाजापुर।

जिला दण्डाधिकारी एवं कलेक्टर दिनेश जैन ने अपराधिक गतिविधियों में लिप्त दो व्यक्तियो को 3-3 माह के लिए जिला बदर किया हैं।

जानकारी अनुसार मक्सी थाना क्षेत्र के शिव मंदिर रोड़ निवासी दीपक पिता देवीसिंह (29) तथा शुजालपुर सिटी थाना क्षेत्र के नूरपुरा निवासी अली मोहम्मद पिता अकबर खाँ (37) को 3-3 माह के लिए जिला बदर करते हुए शाजापुर एवं सीमावर्ती जिले देवास, उज्जैन, आगर मालवा, राजगढ़ तथा सीहोर की राजस्व सीमा से बाहर जाने के आदेश दिए है। जिला दण्डाधिकारी ने निष्कासन आदेश जारी करते हुए दोनों को आदेशित किया है कि, प्रतिबंधित अवधि में बिना पूर्व अनुमति के उक्त क्षेत्रो में प्रवेश न करें।

लूट की झूठी रिपोर्ट का पुलिस ने किया पर्दाफाश

माही की गूंज, मंदसौर।

अंकित पिता लक्ष्मीनारायण पाटीदार निवासी ग्राम सुठी नाहरगढ़ ने थाना अफजलपुर में 13 सितम्बर को रिपोर्ट दर्ज करवाते हुए बताया था कि, महाराणा प्रताप बस स्टेण्ड मंदसौर स्थित आईसीआईसीआई बैंक के एटीएम से मोटर साईकिल क्रय करने हेतु 60 हजार रुपए निकालकर बैग में रखे। इसके बाद दलौदा आकर दलौदा मण्डी में दिन भर कार्य करने के उपरांत रात्रि में मोटर साईकिल बजाज प्लेटिना एमपी 14 एमडी 6725 से डिगांव तरफजाते समय ग्राम बर्डियाखेड़ी के पास अज्ञात 2 बाइक सवार बदमाशों ने उससे रुपयों से भरा बैग लूट लिया एवं घटना को अंजाम देकर फरार हो गए। उक्त लूट की घटना की रिपोर्ट पर से थाना अफजलपुर पर अपराध क्र. 313ध्21 धारा 392 भादवि का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार पाण्डेय द्वारा प्रकरण की पतारसी एवं विवेचना हेतु महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए गए, जिसका पालन करते हुए विवेचना के दौरान फरियादी अंकित पाटीदार द्वारा घटना के संबंध में बताए गए तथ्यों की बारीकी से छानबीन की गई। फरियादी द्वारा बताए गए तथ्यों के आधार पर भौतिक साक्ष्यों में विरोधाभास की स्थिति उत्पन्न होने से सायबर सेल से तकनीकी कार्य आधार पर तस्दीक की गई। फरियादी द्वारा बताई गई घटना की सत्यता पर संदेह होने पर फरियादी अंकित से पुलिस द्वारा सख्ती से पूछताछ जाने पर उसने बताया कि, उसके द्वारा उक्त 60 हजार रुपए की राशि एटीएम से नहीं निकाली गई थी उक्त राशि उसके द्वारा ऑनलाईन माध्यम से शेयर मार्केट में इन्वेस्ट की थी। जिसके डूब जाने पर उसके द्वारा शेयर मार्केट में रुपए डूबने की घटना को परिजनों से छुपाने के लिए अपने बचाव हेतु लूट की मनगढ़ंत कहानी बनाकर थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। फरियादी की बैंक अकाउण्ट ट्रान्सेक्शन डिटेल्स प्राप्त की गई तथा उसके स्वयं के मोबाईल में से उक्त ऑनलाईन शेयर मार्केट में राशि के ट्रान्सेक्शन से संबंधित डेटा भी प्राप्त हुआ हैं। फरियादी द्वारा जिस बैग में पैसा रखना बताया गया था उसकी स्वयं की निशादेही से उक्त बेग को फरियादी द्वारा छिपाए गए स्थान से बरामद किया गया है। फरियादी द्वारा अपने पैसे डूब जाने के कारण झूठी मनगढ़ंत लूट की कहानी बनायी गई थी, जिसे पुलिस की सक्रियता और लगातार त्वरित कार्रवाई से घटना के मात्र 24 घंटे के भीतर ही पतारसी में लाया गया। प्रकरण में झूठी रिपोर्टकर्ता फरियादी अंकित पाटीदार के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

चलित खाद्य प्रयोगशाला का खरगोन में भ्रमण

माही की गूंज, खरगोन। मिलावट में मुक्ति अभियान के तहत 19 सितम्बर से 23 सितम्बर तक चलित खाद्य प्रयोगशाला खरगोन भ्रमण पर रहेगी। भ्रमण के दौरान मिलावट में मुक्ति अभियान के तहत खाद्य पदार्थों की जांच की जाएगी। स्कूल एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को खाद्य पदार्थों में की जाने वाली मिलावट के प्रति जागरूक करने, एवं खाद्य पदार्थों में की जाने वाली मिलावट की जांच करने के लिए प्राथमिक परिक्षण का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

75 हजार पौधो का होगा पौधारोपण

माही की गूंज, खरगोन। मप्र स्कूल शिक्षा विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने समस्त कलेक्टर्स, सहायक आयुक्त समस्त जिला, जनजातिय कार्य विभाग सहित शिक्षा अधिकारी को पत्र के माध्यम से निर्देश दिए हैं कि आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर अमृत महोत्सव के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा 17 सितम्बर को प्रातः 10:30 बजे स्मार्ट सिटी पार्क भोपाल में 75 पौधो का रोपण किया जाएगा। श्रीमती रश्मि ने कहा कि कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री चौहान का उद्बोधन दूरर्शन, यूट्यूब, वेबकास्ट पर लिंक के माध्यम से किया जाएगा। इसी प्रकार विद्यालयों में भी 10:30 बजे ही पौधारोपण किया जाएगा। साथ ही पूरे प्रदेश की स्कूलों में इस दिन 75 हजार पौधों का रोपण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस तरह खरगोन जिले की कुल 2540 शासकीय विद्यालयों में पौधारोपण किया जाएगा।

मण्डलेश्वर एसडीएम की कार्यवाही 2 जेसीबी और 1 डंपर पकड़ा

माही की गूंज, खरगोन। मण्डलेश्वर एसडीएम श्री ओमनारायण सिंह ने बुधवार को दो स्थानों से मुरम खुदाई करते जेसीबी और डंपर कार्यवाही की। एसडीएम श्री सिंह ने बताया की कलेक्टर श्रीमति अनुग्रहा पी. के सख्त निर्देश है कि कहीं भी अवैध रेत या मुरम या खनिज परिवहन पर लगाम लगाई जाए। उसी तारतम्य में बुधवार को चोली रोड पर मुरम की खुदाई करते हुए 2 जेसीबी और 1 ओवरलोड 10 पहिया डंपर को जप्त कर थाने खड़ी करवाकर प्रकरण बनाया गया है।

नगर में जगह-जगह भरे वर्षा के पानी से फैला रही बीमारियां

लगातार पांव पसार रहा वायरल फीवर, डेंगू, मलेरिया

माही की गूंज, भानपुरा (मंदसौर)।

भानपुरा तहसील में इन दिनों वर्षा जनित वायरल फीवर, मलेरिया, डेंगू, टाइट फाइट जैसी बीमारियों का बोलबाला है। इन दिनों नगर भानपुरा की अनेक कॉलोनियों मे समर्थ एवं मुनाफे की गरज से आवासीय प्लॉट खरीद कर सैकड़ों लोगों ने ऐसे प्लाटों को खुला छोड़ रखा है एवं आस-पास मकानों के निर्माण होने से कई प्लाट जमीन की गहराई में चले जाने से वर्षा का पानी भारी मात्रा में भरा होकर समीपस्थ लोगों के लिए बीमारी पैदा कर रहा है। जिसको न मकान मालिक या प्लाट वाले कि देखने को राजी हैं और नाही प्रशासन के जवाबदार अधिकारी लोटखेड़ी मार्ग स्थित गायत्री माता के समीप आवासी कॉलोनी में भरे पानी के मामले में समीपस्थ निवासी जाकिर हुसैन, रिंकू राठौर, गीता सोलंकी, कमलेश पाटीदार, रुबीना भी, शकुंतलाबाई, सलोनी चौहान ने बताया कि, हम हमारे पास खाली प्लाट में भरे पानी से पनप रहे मच्छरों से डेढ़ माह से परेशान हैं। घरों से हमें निकलने में भारी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है, इस मामले में प्लाट मालिक व नगर परिषद ध्यान देने को राजी नहीं है।

13 सितंबर को नगर परिषद का चार्ज लेने वाले भैसोदा नगर परिषद के सीएमओ सुरेश यादव से अपेक्षा है कि, वे एवं तहसीलदार राकेश यादव नगर वासियों में बढ़ रही बीमारियों को देखते हुए ऐसे खाली पड़े प्लाटों पर पर्याप्त दवाई वगैरह का उपयोग कर एवं भरे हुए पानी को निकासी के आदेश देंगे। ताकि उपरोक्त फैल रही बीमारियों से नगर वासियों को राहत मिल सके।

3 दिन पहले पुनः ब्लॉक मेडिकल अधिकारी के पद पर लौटे डॉ वीरेंद्र वर्मा ने बताया कि, वे तहसीलदार श्री यादव एवं सीएमओ नगर पालिका से बात कर बीमारियां फैलने के स्थानों को चिन्हित कर पर्याप्त दवाइयों का छिड़काव करवाने का आग्रह करेंगे।

नगर के पंजाबी कॉलोनी में स्थित श्रीराम मंदिर के पास के बैरागी समाज के मंदिर पर शासन द्वारा प्रदाय कृषि भूमि में, कोचर कॉलोनी, डांगी कॉलोनी, श्री राम कॉलोनी, तिजोरी कॉलोनी, गायत्री माता मंदिर के समीप गायत्री कॉलोनी के खाली पड़े प्लाट पर एवं नगर भानपुरा की अनेक कालोनियों में व डाक बंगला में नायब तहसीलदार और तहसीलदार के निवास के पास तक भी आम रास्तों में पानी भरा हुआ है, जिसे खाली कर या पर्याप्त दवाइयां छिड़काव कर बीमारियों से बचाव हेतु उपाय करना अत्यंत जरूरी है। इस मामले में तहसीलदार श्री यादव एवं नवागत मुख्य नगरपालिका अधिकारी सुरेश यादव से संपर्क करने का प्रयास किया परंतु उनसे संपर्क नहीं हो पाया।

सिविल अस्पताल बना आवारा मवेशियों का अड्डा

माही की गूंज, शुजालपुर। अजय राज केवट

सिविल अस्पताल को आवारा मवेशियों ने अपना अड्डा बना लिया है, जिधर देखो उधर आवारा मवेशी ही नजर आते है। अस्पताल के वार्ड में भी आवारा मवेशी चले जाते हैं जिसके कारण मरीजों के साथ में बड़ा हादसा होने की संभावना बनी रहती है। कई बार तो मरीजों के परिजनों जो कि बाहर बैठते है व रात के समय बाहर सोते रहते हैं, उनको आवारा मवेशी मार देते हैं। उसके बावजूद भी सिविल हॉस्पिटल के कर्मचारी नदारद रहते हैं।

मरीजों ने बताया कि, अस्पताल में रात में कोई महिला डॉक्टर भी उपस्थित नहीं रहती है, जिसके कारण गर्भवती महिलाओं को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। गर्भवती महिलाएं जिंदगी और मौत से लड़ती रहती हैं मगर रात में महिला डॉक्टर का न होना स्टाफ की नर्सों द्वारा ही महिलाओं की डिलीवरी किए जाना किसी बड़े हादसे को बुलावा देता है। जब नर्सों के हाथ से कुछ गड़बड़ हो जाती है तो शाजापुर या सीहोर में गर्भवती महिलाओं को रेफर कर देती है। रात में अस्पताल में महिला डॉक्टर का न होना व गर्भवती महिलाओं के जीवन से खिलवाड़ करना यह विचारणीय है। हॉस्पिटल में रखे डस्टबिन में पड़ी वेस्टेज सामग्री, पॉलीथिन, इंजेक्शन, बॉटल ओर भी आदि चिजे मवेशी खा जाते है जिसके कारण उनकी मोत हो जाती है। मगर इस ओर कर्मचारियों का ध्यान न देना व देखकर भी नजर अंदाज करने में लगें रहते है।

हिंदू युवा जनजाति संगठन हरीनगर मंडल की बैठक संपन्न

माही की गूंज, थांदला।

हिंदू युवा जनजाति संगठन थांदला के हरीनगर मंडल की बैठक हनुमान मंदिर पर संपन्न हुई। जिसमें जनजाति समाज के अंदर आने वाले तमाम मुद्दे, दिन-प्रतिदिन जनजाति आदिवासी समाज का ईसाई मिशनरी द्वारा करवाए जा रहे धर्मांतरण आदि को बंद करवाने हेतु, जितने भी अवैध रूप से बने चर्च उनको हटवाने, सरकार द्वारा जनजाति समाज के नाम पर जो भी योजनाएं दे रखी उनको घर-घर तक पहुंचाना, धार्मिक कार्यक्रम को बढ़ावा देना, संगठन के विस्तार, भ्रष्टाचार, सामाजिक आदि मुद्दो पर चर्चा की गई।

वरिष्ठ कार्यकर्ता भगतसिंह डामोर ने कहा कि, प्रत्येक गांव से संगठन का विस्तार करना एवं घर-घर तक संगठन को पहुंचाना हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

वरिष्ठ कार्यकर्ता अकलेश रावत ने कहा कि, 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष में जनजाति गौरव दिवस धूमधाम से मनाना है। अभी से तैयारी शुरू कर देनी चाहिए।

बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष सरसू भटेरा, अरविंद मचार, मंडल अध्यक्ष अनिल मचार, कालू डामोर, पंकज निनामा, परेश मचार, अंकित डामोर, सुनील डामोर, विजय निनामा, नानु परमार, संदीप मकवाना आदि संगठन के सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित थे।

तारफेन्सिंग की राशि में गबन का ग्राम पंचायत रायपुरिया पर लगा आरोप

रावल समाज ने एसडीएम को दीया आवेदन

माही की गूंज, रायपुरिया।

सोमवार को अखिल भारती नाथ समाज रावल पंथ ने पेटलावद अनुविभागीय अधिकारी को आवेदन देकर रायपुरिया ग्राम पंचायत पर गंभीर आरोप लगाए। आवेदन में बताया कि, 2019 में रावल समाज मुक्तिधाम के लिए तार फेंसिंग के हेतु 95 हजार रूपए की राशी स्वीकृत की गई थी। लेकिन उसके बाद भी आज दिनांक तक मुक्ति धाम पर कोई कार्य तार फेन्सिग से संबंधित नहीं हो पाया है। जब हम लोगों ने ग्राम पंचायत के ऑनलाइन पोर्टल पर इसकी जानकारी देखी तो पता चला कि, 2019 में ही इसकी स्वीकृत राशि ग्राम पंचायत ने बिल लगाकर आहरण कर ली।

अब सवाल यह उठता हैं, जब मार्च 2019 में राशी निकाल ली गई तो वह राशी कहा गई...? समाजजनो ने अनुविभागीय अधिकारी पेटलावद से आवेदन देकर मांग की है कि, उक्त मामले की गंभीरता पूर्वक जांच करवाई जाए एवं दोषियों पर कार्रवाई की जाए और हमारी समाज के मुक्तिधाम की तार फेंसिंग जल्द से जल्द पूर्ण करवाई जाए।

ज्ञात रहे कि, उक्त मामला अभी कुछ दिन पूर्व में मुक्तिधाम पर स्थित समाधि स्थल को कुछ असामाजिक तत्वों ने छेड़खानी कर उसे तोड़ दिया था। जिसके पश्चात समाज के युवा जाग्रत हुए और इस पंचायत की सारी पोल को उजागर किया।

कैसे होगा किसानों का भला: मंत्री डंग के क्षेत्र के 244 गांव के किसानों पर सिर्फ 2 ग्राम सेवक व एक कृषि अधिकारी

सीतामऊ कृषि विभाग जूझ रहा स्टाफ की कमी से

माही की गूंज, सीतामऊ (मंदसौर)।

जिले की सबसे चर्चित विधानसभा सुवासरा-सीतामऊ का कृषि विभाग कई महीनों से स्टाफकी कमी से जूझ रहा है। राज्य सरकार किसानों को खुशहाल बनाने का दावा करती है, लेकिन सीतामऊ कृषि विभाग में स्टाफकी कमी इस दावे की हवा निकाल रही है। कृषि विभाग को लेकर सरकार व उनके कृषि मंत्री व यहाँ तक की क्षेत्रीय मन्त्री व जनप्रतिनिधि भी चिंतित नजर नहीं आ रहै। विभाग में नई भर्ती न होने और पुरानों के सेवानिवृत होने से सीतामऊ ऋषि विभाग में अब ऊंट के मुंह में जीरा समान स्टाफशेष है। ऐसे में क्षेत्र के किसान विभाग की योजनाओं का लाभ समुचित तरीके से नहीं उठा पा रहे हैं। अपनी शिकायतों के निवारण के लिए उनको इधर-उधर भटकते देखा जा सकता है। किसानों को समय पर उचित सलाह तक नहीं मिल पाती है। वही विभाग के पास जो स्टाफहै उससे किसानों को संतुष्ट करने की कोशिश की जा रही है। लेकिन लाखो किसानों के काम को 3 अधिकारी कैसे कर सकते हैं यह बड़ी बात है।

सीतामऊ में एक वरिष्ठ कृषि अधिकारी है। वो भी जल्द ही सेवानिवृत्त हो सकते है। वही ग्रामीण कृषि विकास अधिकारी के लिए भी 6 पोस्ट है जिनमें से एक भी अधिकारी की पोसिंटग अभी सीतामऊ में नही हो पाई है सभी 6 पोस्ट खाली है। वही सीतामऊ सुवांसरा के 244 गांवों में किसानों की समस्याओं के लिए 40 ग्राम सेवक होने चाहिए परन्तु दुर्भाग्यवस सिर्फ 2 ग्राम सेवक ही कार्यरत है। दो वर्ष पहले तक सीतामऊ कृषि विभाग में ग्राम सेवको की संख्या 8 के आस-पास थी परन्तु कुछ सेवानिवृत्त हो गए एव कुछ का ट्रांसफर होने के कारण अब यहाँ केवल 2 ही स्टाफबचे है। एक माह पहले ही ग्रामसेवक स्याम परमार को भी मन्दसौर भेज दिया गया।

सीतामऊ कृषि विभाग में 38 ग्राम सेवको की पोस्ट पर अभी तक कोई भी भर्ती नही हो पाई। वही काम के बोझ तले दबा स्टाफफाइलों में ही उलझा रहता है। न तो अधिकारी ठीक ढंग से किसानों के बीच जाकर उनकी फसलों में लगने वाली बीमारियों की रोकथाम के उपाय ही बता पा रहे हैं और न ही उन्हें समय पर सलाह दे पा रहे हैं। स्टाफकी कमी ने सरकारी योजनाओं की चाल बिगाड़ दी है। यहां 46 कृषि अधिकारियों व कर्मचारियों में से केवल 3 ही स्टाफबचे है। ऐसे में ये गाव-गाव जाकर किसानों को आखिरकार फसल के बारे में क्या जानकारी देंगे। यहां के किसानों को बिजाई के दौरान नए बीज, बिजाई का समय, नई फसलों, रोग की रोकथाम, फसलों में पानी के लिए उचित समय, उन्नत बनाने वाली योजनाएं की जानकारी सही समय पर नहीं मिलने से किसानों को परेशानी हो रही है।

अनुबंध पर कर्मचारी की भर्ती हो- कांग्रेस नेता राकेश पाटिदार

सरकार एक तरफतो किसानों की हितैषी होने का ढोंग कर रही है, दूसरी तरफकिसानों को सहूलियत व जानकारी देने के लिए स्टाफतक नहीं। जब तक नियमित भर्ती नहीं होती तब तक अनुबंध पर कर्मचारी लगाने चाहिए। वही सरकार द्वारा जो कमेटी बनाई गई है उसमें विकासखंड के अधिकारियों को जवाबदारी दी गई है फसलों का मुआयना करने के लिए मुझे नहीं लगता कि सुवासरा विधानसभा क्षेत्र के विकास खंड में सही तरीके से लोगों का फसलों का सर्वे हुआ होगा क्योंकि जब अधिकारी नहीं है तो किस आधार पर सर्वे का दावा कर रही है सरकार केवल गुमराह करने का कार्य कर रही है।

वरिष्ट कृषि अधिकारी सीतामऊ का कहना है कि, स्टाफकी कमी के चलते कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र बड़ा है व मौजूदा स्टाप बहुत ही कम रह गया है। मेने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को भी इस संबंध में अवगत करया है।

इस संबंध में क्षेत्रीय विधायक एव केबिनेट मंत्री हरदीपसिंह डंग से भी जानकारी चाही गई परन्तु उनके दिल्ली होने व व्यस्तता के चलते बात नही हो पाई।

किसानों ने कहा केंद्रीय मंत्री के आने को लेकर किसानों को अब दे रहे लालीपॉप

माही की गूंज, रतलाम।

समस्याओं को लेकर एसडीएम कार्यालय जावरा पहुँचे किसान।

केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी अपने आज दोपहर 3 बजे जावरा पहुंचेंगे। वहां पर दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे निर्माण कार्य का जायजा लेने के बाद हेलीकॉप्टर से शाम 5 बजे इंदौर पहुँचेंगे। जहां 16 सितंबर को इंदौर स्थित ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में लगभग 11 हजार करोड़ रूपए लागत की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का भूमि-पूजन और लोकार्पण करेंगे।

जावरा क्षेत्र में किसान एक्सप्रेस वे से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को लेकर नाराज चल रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस समेत अन्य नेताओं ने इसे मुद्दा बनाते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का घेराव करने की चेतावनी दी है। इसके मद्देनजर एसडीएम हिमांशु प्रजापति ने एक्सप्रेस वे प्रभावित सभी 46 गांव के किसानों के प्रतिनिधिमंडल की बैठक ली, वही पटवारियों व अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में किसानों की समस्या सुनी। किसानों ने कहा, एक्सप्रेस-वे किनारे खेतों तक जाने का रास्ता चाहिए, भले पक्का रोड न हो मोरम भी चलेगा। कई जगह बारिश के पानी की निकासी की समस्या है। कुछ गांव में पहले से बने डामर में एप्रोच रोड को एक्सप्रेस वे निर्माण कंपनी के वाहनों से क्षतिग्रस्त कर दिया है। कई किसानों को पूरा मुआवजा नहीं मिला है।

किसानों का आरोप है कि, एसडीएम साहब ने हमें बुलाया ओर समस्या सुनी और लॉली पॉप लेकर भेज दिया, अगर समस्याओं का समाधान नही हुआ तो हम आंदोलन करेंगे।

पूरे मामले को लेकर एसडीएम हिमांशु प्रजापति ने किसानों की समस्याओं को स्थानीय स्तर पर निवारण करने की बात कही ओर उनकी मांगों को कलेक्टर के माध्यम से केंद्रीय मंत्री तक पहुंचा जाएगा। यदि संभव हुआ तो प्रतिनिधिमंडल को केंद्रीय मंत्री से मिलने का मौका दिया जाएगा।

जेल मे निरूद्ध कैदी भी प्राप्त कर सकता है उच्च शिक्षा

माही की गूंज, बड़वानी।

जिले के विभिन्न जेलों में निरुद्ध कैदियों हेतु जेल परिसर में उच्च शिक्षा से लाभान्वित करने के उद्देश्य से बुधवार को सेंट्रल जेल बड़वानी में भोज से संबंधित पाठ्यक्रमों के बारे में प्रचार प्रसार की जानकारी दी गई।

क्षेत्रीय केंद्र बड़वानी के निदेशक डॉक्टर एन एल गुप्ता द्वारा जेल में निरुद्ध कैदियों को विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिलवाकर उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान किए जाने आपकी शिक्षा आपके द्वार की परिकल्पना को साकार करने के बारे में जानकारी दी । इस दौरान केन्द्रीय जेल बड़वानी अधीक्षक श्री डीएस अलावा और डेप्युटी जेलर श्री शशि शरण, असिस्टेंट सुप्रिडेंट विनय काबरा, शिक्षक अशोक टीकम उपस्थित थे।

बड़वानी भोज कॉलेज से प्रोफेसर कमलेश श्रीवास्तव और बड़वानी रीजनल ऑफिस से ज्योति शर्मा द्वारा कैदियों को पाठ्यक्रम से संबंधित स्नातक और स्नातकोत्तर विषयों और फीस के बारे में जानकारी दी गई।

प्रचार प्रसार सहायक निधि शर्मा के द्वारा कैदियों को शिक्षा से जुड़ने अपने जीवन को सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ाने, अपने जीवन में एक लक्ष्य निर्धारित कर पूरी ऊर्जा के साथ उसे हासिल करने में प्रयासरत करने का मार्गदर्शन दिया गया।

लचर स्वास्थ्य सेवाओं के चलते नवागत कलेक्टर को इलाज के लिए जाना पड़ा इंदौर

जिला चिकित्सालय बना रेफर मे नम्बर वन, हर दुसरे मरीज को किया जाता है रेफर

माही की गूंज, अलीराजपुर।

जिला मुख्यालय में स्वास्थ व्यवस्था ठिक नही है यदि ठिक होती तो नवागत कलेक्टर ईलाज के लिए इन्दोर क्यो गए...? डेगुं का ईलाज तो स्थानिय स्तर पर ही आम जनता कि तरह हो सकता था तो आखिर उन्हें इंदौर क्यो जाना पड़ा...? जिला अस्पताल में मामूली फेक्चर हो या डेंगू, मलेरिया या अन्य बिमारी हो हर किसी को रेफर किया जाया है। बावजूद इसके जिला प्रशासन मौन क्यो है...?

बता दे कि, पुर्व कलेक्टर सुरभि गुप्ता ने कई बार जिला चिकित्सालय का निरिक्षण किया और हर बार वादा किया कि व्यवस्था बेहतर की जाएगी। मगर जमीनी स्तर पर हालत और बदतर नजर आ रहै है। अब देखना है कि, नवागत कलेक्टर मनोज पुष्प जिला चिकित्सालय की लचर वयवस्था सुधार पाते है या नही। क्यो की जिलेवासियो को अब नवागत कलेक्टर से काफी उम्मीदें लगी है।

जिले के नवागत कलेक्टर मनोज पुष्प डेंगू से पीड़ित पाए गए हैं। तीन दिन पहले बुखार आने पर लक्षणों के आधार पर उनकी जांच कराई गई थी, इसमें प्रारंभिक जांच रिपोर्ट डेंगू पाजिटिव आई है। कलेक्टर मनोज पुष्प फिलहाल इंदौर में उपचार करवा रहे हैं।

सिविल सर्जन डॉ. केसी गुप्ता ने बताया कि, कलेक्टर को बुखार आने पर उनकी जांच कराई गई थी। इसमें प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में डेंगू की पुष्टि हुई है। कलेक्टर इंदौर में उपचार ले रहे हैं, उनकी स्थिति फिलहाल बेहतर है। डॉ. गुप्ता के अनुसार जिले में अब तक डेंगू के नौ

मामले सामने आ चुके हैं। सभी को जिला अस्पताल में उपचार दिया गया। स्वस्थ होने के बाद सभी को डिस्चार्ज कर दिया गया है। बढ़ते मामलों को देखते हुए आमजन को डेंगू से बचाव की सलाह दी जा रही है।

चिकित्सकों का कहना है कि, बुखार, दर्द सहित कोई भी तकलीफ होने पर तत्काल डॉक्टर को दिखाएं। डॉक्टर की सलाह अनुसार ही उपचार लें। कोई भी परेशानी होने पर कतई देर न करें। सरकारी आंकड़ों से ज्यादा मरीज, कई सीधे निजी अस्पताल पहुंच रहे। सरकारी आंकड़ों में डेंगू के 9 ही मरीज दर्ज हैं, जो शासकीय चिकित्सालय में उपचार के लिए पहुंच रहे हैं।

बताया जाता है कि, बड़ी संख्या में बुखार से पीड़ित लोग सीधे पास के छोटा उदयपुर, दाहोद, बड़ौदा जाकर उपचार करा रहे हैं। इस कारण मरीजों का सही आंकड़ा सामने नहीं आ पा रहा है। ग्रामीण क्षेत्र में कई लोग झोलाछापों के पास जाकर भी इलाज करा रहे हैं। इस कारण बीमारी के बारे में सही जानकारी नहीं मिल पाती। जिला अस्पताल में अपना इलाज कराऐ भी क्यो, जिला चिकित्सालय तो रेफर का अड्डा बना हुआ है हर दुसरे मरीज को यहा रेफर किया जा रहा है ताकी आस-पास के नीजी अस्पताल से मोटा कमीशन मिल सके।

नही है इमरजेंसी सेवाएं

जिला अस्पताल में इमरजेंसी सेवाएं नहीं मिलने पर घायल व गंभीर मरीजों को इलाज के लिए गुजरात जाना पड़ रहा है। जबकि समय पर इलाज नहीं मिलने से कई बार घायलों व रोगियों को जान तक गंवानी पड़ी है। जिला अस्पताल में यह हालत लंबे समय से है, विशेषज्ञ नहीं होने से यहां तैनात डॉक्टर गंभीर रोगी व घायलों का इलाज करने की रिस्क नहीं उठाते। यहां बताना जरूरी है कि, जिला अस्पताल में पसरी अव्यवस्थाओं को दूर करने की मांग को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित अफसरों को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन कार्रवाई के अभाव में व्यवस्थाएं सुधरने का नाम नहीं ले रहीं।

माँ की पल्लू का वह कोना, मानो उनका आस-पास ही होना

माँ का पल्लू... माँ को गरिमामयी छवि प्रदान करने के लिए था। इसके साथ ही... यह गरम बर्तन को चूल्हा से हटाते समय गरम बर्तन को पकड़ने के काम भी आता था। पल्लू की बात ही निराली थी। पल्लू पर तो बहुत कुछ लिखा जा सकता है। पल्लू... बच्चों का पसीना, आँसू पोंछने, गंदे कान, मुँह की सफाई के लिए भी इस्तेमाल किया जाता था। माँ इसको अपना हाथ पोंछने के लिए तौलिया के रूप में भी इस्तेमाल कर लेती थी। खाना खाने के बाद पल्लू से मुँह साफकरने का अपना ही आनंद होता था। कभी आँख मे दर्द होने पर... माँ अपने पल्लू को गोल बनाकर, फूँक मारकर, गरम करके आँख में लगा देतीं थी, दर्द उसी समय गायब हो जाता था। माँ की गोद में सोने वाले बच्चों के लिए उसकी गोद गद्दा और उसका पल्लू चादर का काम करता था। जब भी कोई अंजान घर पर आता, तो बच्चा उसको माँ के पल्लू की ओट ले कर देखता था। जब भी बच्चे को किसी बात पर शर्म आती, वो पल्लू से अपना मुँह ढक कर छुप जाता था। जब बच्चों को बाहर जाना होता, तब 'माँ का पल्लू' एक मार्गदर्शक का काम करता था। जब तक बच्चे ने हाथ में पल्लू थाम रखा होता, तो सारी कायनात उसकी मुट्ठी में होती थी। जब मौसम ठंडा होता था... माँ उसको अपने चारों ओर लपेट कर ठंड से बचाने की कोशिश करती और जब बारिश होती माँ अपने पल्लू में ढाँक लेती। पल्लू एप्रन का काम भी करता था। माँ इसको हाथ तौलिया के रूप में भी इस्तेमाल कर लेती थी। पल्लू का उपयोग पेड़ों से गिरने वाले जामुन और मीठे सुगंधित फूलों को लाने के लिए किया जाता था। पल्लू में धान, दान, प्रसाद भी संकलित किया जाता था। पल्लू घर में रखे समान से धूल हटाने में भी बहुत सहायक होता था। कभी कोई वस्तु खो जाए, तो एकदम से पल्लू में गांठ लगाकर निश्चिंत हो जाना कि, जल्द मिल जाएगी। पल्लू में गाँठ लगा कर माँ एक चलता फिरता बैंक या तिजोरी लगती थी और अगर सब कुछ ठीक रहा, तो कभी-कभी उस बैंक से कुछ पैसे भी मिल जाते थे। मुझे नहीं लगता, कि विज्ञान पल्लू का विकल्प ढूँढ पाया है। पल्लू कुछ और नहीं, बल्कि एक जादुई एहसास है। अपनी माँ के इस प्यार और स्नेह को हमेशा महसूस करते रहे हैं।

लेखकः- मन्तशा, बांदा

सीआईएसएफ के जवान साईकिल से पहुंचेंगे दिल्ली

साईकिल रैली को जनप्रतिनिधियों ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

सीआईएसएफजवानों की साईकिल रैली को हरी झंडी दिखाते जनप्रतिनिधि व अन्य।

माही की गूंज, अलीराजपुर।

सीआईएसएफ के जवान साईकिल रैली के माध्यम से 1 हजार 703 किलोमीटर की दूरी तय कर 2 अक्टूबर गांधी जयंती पर समाधि स्थल राजघाट पहुंचकर महात्मा गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे। जिसकी शुरुआत अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जन्मस्थली से साईकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रतलाम-झाबुआ-आलीरापुर सांसद गुमानसिंह डामोर, पूर्व विधायक व सांसद प्रतिनिधि माधौसिंह डावर, भाजपा जिलाध्यक्ष वकीलसिंह ठकराला, नपा अध्यक्ष निर्मला डावर व एसडीएम स्ु श्री किरण आंजना ने हरी झंडी दिखाकर साईकिल रैली को रवाना किया। इस अवसर पर सांसद गुमानसिंह डामोर ने कहा कि, देश की नई पीढ़ी को अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद व इन जवानों के हौसलों से संकल्प लेना चाहिए। देश की आजादी के लिए हम अपने आपको हमेशा तैयार रखे। आजाद नगर के प्रत्येक व्यक्ति की पहचान आजाद से जुड़ी हैं। हमें आजाद व देश की रक्षा में लगे जवानों का सम्मान करना चाहिए। पूर्व विधायक माधौंसिंह डावर ने कहा कि, हमें गर्व हैं कि हम चंद्रशेखर आजाद की जन्मभूमि के रहने वाले हैं हमारा सौभाग्य हैं कि सीआईएसएफ के जवान अमृत महोत्सव के तहत् आज अपनी यात्रा यहां से प्रारंभ कर रहे हैं, वे सभी बधाई के पात्र हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष वकीलसिंह ठकराला ने कहा कि, वे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हो या देश के सैनिक सभी के लिये अटूट श्रद्धा रखते हैं। हम उन सभी के आभारी हैं। सीनियर कमांडेड नागेन्द्र शर्मा ने कहा कि, हमारे लिए सौभाग्य की बात हैं, जो अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की भूमि से इस कार्यक्रम की शुरूआत हो रही हैं और हमारे सैनिकों व साथियों को भरपूर सम्मान व हौंसला यहां मिला। हम आप सभी के आभारी हैं। इस अवसर पर साईकिल रैली में सम्मिलित होने वाले सैनिकों का सम्मान सांसद श्री डामोर, पूर्व विधायक श्री डावर, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री ठकराला, नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती डावर, एसडीएम सुश्री किरण आंजना सहित अन्य ने किया। संचालन वरिष्ठ शिक्षक निलेश शाह ने किया। आभार एसडीएम सुश्री किरण आंजना ने माना।

टाउन हाल चंद्रशेखर आजाद नगर में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित सैनिकों के सम्मान कार्यक्रम।

महीनों से कई स्कूलों पर आज तक लटके है ताले, शिक्षक नही जा रहे पढ़ाने

यहां मोबाइल पर बॉय जूस एप्प पर पढ़ाई कर प्राथमिक शाला के बच्चे

माही की गूंज, पेटलावद।

कोरोना काल मे विगत दो वर्षो से बन्द पड़े स्कूल कोरोना की तीसरी लहर के साए में मिडिल से हॉई सेकेंडरी तक कोरोना गाईडलाइन और शासकीय आदेश का पालन के साथ शुरू हो चुके है। जल्द ही प्राथमिक स्कूलों के भी खुलना है। लेकिन इन दो वर्षों में बच्चों के भविष्य का भारी नुकसान हुआ है जिसका कारण कोरोना के साथ-साथ वो शिक्षक भी है जिन पर स्कूल में नही लेकिन मोहल्ला क्लास के माध्यम से बच्चों को पढ़ाने जा जिम्मा था। इन दो वर्षों में जनजाती कार्य विभाग द्वारा स्कूली शिक्षको को मोहल्ला क्लास, सहित ऑनलाइन शिक्षा व्यवस्था के निर्देश देकर जानकारी देने के आदेश दिए थे, लेकिन कई कामचोर शिक्षक अपने कर्तव्यों से परे अपने घरों में ही जमे रहे। वर्तमान की शिक्षा व्यवस्था पर नजर डाली जाए तो स्कूली शिक्षक किसी न किसी माध्यम से शिक्षा व्यवस्था से दूर रहना चाहते है और वो सीएससी, होस्टल अधीक्षक पद पर कार्य करने की जुगाड़ में रहते है। अगर यहाँ मामला नही जमे तो किसी संस्था का प्रभारी और बीआरसी या बीओ कार्यालय में टिकने की जुगाड़ में रहते है। बचे-कूचे शिक्षक अपने निजी व्यवसाय में व्यस्त रहे। देखा जाए तो गिने-चुने शिक्षक ही अपनी जिम्मेदारी और कर्तव्यों को निभाते है।

शिक्षक भरत चौधरी के पहुँचते ही नई बस्ती की प्राथमिक स्कूल हुई गुलजार

सरकार की ट्रांसफर नीति का फायदा उठाते हुए कई नेताओं ने अपनी आपसी दुश्मनी निकालने के चक्कर मे कई शिक्षको निशाना बनाकर स्थान्तरण करवा दिया। लेकिन एक बार भी क्षेत्र की स्कूलों में नही झांका जहां पहले से कई स्कूलों में एक या दो ही शिक्षक थे और बिना वहां किसी दूसरी व्यवस्था के शिक्षको स्थान्तरण कर स्कूलों को शिक्षक विहीन कर दिया।

शिक्षक भरत चौधरी यूं तो प्राथमिक स्कूल के शिक्षक है लेकिन कृषि विषय मे उनके अनुभव के कारण वो करडावद मॉडल स्कूल में पदस्थ होकर वहां प्राथमिक शाला के वेतन पर हाई स्कूल व हाई सेकेंडरी के बच्चों को पड़ाते हुए खेल के क्षेत्र में भी बच्चों के भविष्य बने इसके लिए काम कर रहे थे, लेकिन सरकार की ट्रांसफर का शिकार होकर राणापुर ब्लाक भेज दिए गए। चुंकि उनका स्थान्तरण विधि सम्वत नही होने के कारण आदेश को संशोधित कर पेटलावद विकास खण्ड के करडावद की नई बस्ती की प्राथमिक शाला में स्थान्तरण कर दिया। जहा आज भी प्राथमिक स्तर के शिक्षक विभागीय आदेशो को हवा में उड़ाकर स्कूल जाने से बच रहे है। वही शिक्षक भरत चौधरी को मिली नई जवाबदारी को निभाते हुए करडावद की नई बस्ती के बच्चों को रोज पढ़ाई करवा रहे है, यहां दर्ज 27 बच्चों को अलग-अलग शिफ्ट में पढ़ा रहे है, बल्कि स्वयं के खर्च से बच्चों की शिक्षा के लिए बने मोबाइल एप्प बाय जूस के माध्यम से बच्चों को शिक्षा दे रहे है। शिक्षक भरत चौधरी ने स्कूल में आने वाले बच्चों को मास्क और सेनेटाइजर भी स्वयं खर्च से उपलब्ध करवाया है। यदि ग्रामीण क्षेत्रो की स्कूलों में पदस्थ अपने कर्तव्यों का पालन ईमानदारी से करे तो शिक्षा का स्तर काफी ऊंचा उठ सकता है।

भगवान भरोसे जनपद पंचायत पेटलावद

बिलों के भुगतान में खुलेआम हो रहा फर्जीवाड़ा, बिना सचिव, रोजगार सहायक के हस्ताक्षर के जनरेट हो रहे बिलों का किया जा रहा भुगतान

माही की गूंज, पेटलावद।

पेटलावद जनपद पंचायत में एक के बाद घोटाले सामने आ रहे है लेकिन अधिकारियों की नींद अभी भी नही खुल रही है। कितने ही मामले फाइलों में दबकर रह गए लेकिन रोज नए मामले उजागर हो रहे है। एक नए मामले में ग्राम पंचायत में होने वाले निर्माण कार्य और सामग्री सप्लाई में लगने वाले बिलो के भुगतान में बड़ी लापरवाही और भ्रस्टाचार उजागर हो रहा है। जिससे लगता है कि, पेटलावद जनपद क्षेत्र में आने वाली पंचायते और जनपद पेटलावद के अधिकारी सहित बिल जनरेट कर भुगतान करने वाले कर्मचारीयो की आखों पर कमीशन की पट्टी इस कदर चढ़ गई है कि भुगतान के लिए लगने वाले बिलो की जांच तक नही की जाती और कई खामियों और जवाबदारो के हस्ताक्षर के बिना ही बिलो का भुगतान कर दिया जाता है।

ऑनलाइन होने के बाद भी भारी लापरवाही उजागर हुई

सरकार ने कागजो की हेरा-फेरी और फर्जीवाड़े को रोकने के लिए अधिकांश प्रक्रिया ऑनलाइन कर दी ताकि सही और पारदर्शी कार्य हो सके। जहां छात्रों की प्रोफाइल या जाति प्रमाण-पत्र में लगने वाले दस्तावेजों में छोटी-छोटी कमियों के कारण आवेंदन अपडेट तक नही होते, वही ग्राम पंचायतों में ऑनलाइन प्रक्रिया आज भी उसी स्तर से कार्य कर रही है जैसे पहले चली आ रही है। यहां बिलो के भुगतान के लिए की गई ऑनलाइन व्यवस्था में बड़ी से बड़ी गलती के बाद भी बिल न केवल अपडेट किए जा रहे है, बल्कि उनका भुगतान भी आँख बंदकर के किया जा रहा है।

कही सचिव तो कही प्रधान तक के हस्ताक्षर नही, तो कही बिल देने की दिनांक तक का उल्लेख नही

मामला ग्राम पंचायत कोदली में सामने आया, जहा ग्राम पंचायत में विधायक निधि से पुलिया निर्माण का कार्य किया गया। उक्त निर्माण कार्य ने साई ट्रेंड्स पेटलावद द्वारा मटेरियल सप्लाई किया गया, जिसके बिल ग्राम पंचायत को दिए गए। बिल ग्राम पंचायत द्वारा भुगतान के लिए जनरेट किए गए, लेकिन उक्त बिलो पर केवल ग्राम पंचायत प्रधान के हस्ताक्षर है जिसको सरपंच के पूरे अधिकार तक नही है। जबकि शासकीय भुगतान के लिए जिम्मेदार शासकीय कर्मचारी सचिव और रोजगार सहायक के बिलो पर कोई हस्ताक्षर तक नही है न ही बिल पर दिनांक लिखी गई है कि, बिल किस दिनांक को ग्राम पंचायत को दिया गया या माल किस दिनांक को ग्राम पंचायत को सप्लाई किया।

ग्राम पंचायत रायपुरिया में तो और भी गंभीर मामला सामने आया है जहां ऑनलाइन पोर्टल पर चढ़े बिलो पर ग्राम पंचायत के किसी जवाबदार के हस्ताक्षर व सील तक नही। भुगतान के लिए लगे बिलो में सामग्री का पूरा वर्णन तक नही है। ग्राम पंचायत ने भाग्य श्री इलेक्ट्रॉनिक एवं फुटवियर और भाग्य श्री मोबाइल नाम वाली फर्म से क्या स्टेशनरी और इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदा और उसकी दर व मात्रा कितनी है। मात्र स्टेशनरी सामान और इलेक्ट्रॉनिक सामान लिखकर राशि दर्शा कर बिल ग्राम पंचायत को दिए गए। जिसे ग्राम पंचायत ने बिना जांचे परखे ओर बिना सरपंच, सचिव और रोजगार सहायक के हस्ताक्षर किए बिल भुगतान के लिए जनरेटर कर दिए गए है।

जाँच हो तो हर पंचायत में मिलेगा ये फर्जीवाडा, जनपद में बैठे जवाबदार भी कमीशन के चाह में

विकास खंड की कोदली पंचायत या रायपुरिया पंचायत में ही इस प्रकार मामले है ऐसा नही है। विकास खण्ड की ज्यादातर ग्राम पंचायत में ऐसा ही हो रहा है न केवल लाखो के बिल भारी लापरवाही के साथ पोर्टल पर भुगतान के लिए जनरेट किए जा रहे है, बल्कि उनका भुगतान भी हो चुका है। जिसकी जांच की जाए तो बड़ा भ्रष्टाचार उजागर होगा ये भी तय है। इस प्रकार बिल ग्राम पंचायत भुगतान के लिए जनरेट करती है, जिसकी जाँच के लिए जनपद में बैठे अधिकारी और जवाबदार कर्मचारियों को करना होती है, लेकिन इस प्रकार के बिलो में ज्यादातर फर्जी और सेटिंग के बिल होते है, जिनको भुगतान के लिए अच्छा खासा कमीशन दिया जाता है। जिस कारण बिल में होने वाली खामियों को अनदेखा कर भुगतान कर दिया जाता है।

जमकर बरसे बदराः फसलों को मिली राहत, जलाश्य भरने की उम्मीद

पहली बार हथनी नदी इठला कर बही

माही की गूंज, आम्बुआ।

''जल ही जीवन है'' विशेषकर बारिश का जल तो जैसे वास्तव में ही जीवन को संवारने का कार्य करता है। यदि वर्षा नहीं हुई कम हुई तो परेशानी सबको होती है, पेयजल फसलों तथा अन्य कार्यों हेतु जल की आवश्यकता होती है। इस वर्ष क्षेत्र में अभी तक बहुत कम बारिश होने से सभी और चिंता व्यक्त की जा रही थी, विगत दिनों से क्षेत्र में हो रही वर्षा से भविष्य की उम्मीद बढ़ी है।

इस वर्ष बरसात के मौसम में अभी तक औसत से भी बहुत कम वर्षा दर्ज होने से भविष्य में जल संकट के आसार नजर आ रहे हैं। खरीफकी फसल तो जैसे-तैसे तैयार हुई जा रही है मगर आगामी फसल के लिए अभी पर्याप्त पानी नहीं है। नदी-नाले तालाब कुएं आदि सभी जल स्त्रोत खाली पड़े हैं। विगत 9 सितंबर से क्षेत्र में रुक-रुक कर तथा 10-11 सितंबर की दरमियानी रात हुई तेज बारिश से तथा आगामी दिनों में अच्छी वर्षा की उम्मीद जागी है। विगत दो माह के बाद सितंबर में हो रहे इस वर्षा ने नदी-नालों में पानी के बहाव को बढ़ाया है। 2 महीने के बाद पहली बार क्षेत्र की जीवनदायिनी हथनी नदी स्टाफ डेम के ऊपर से इठला कर बहती देखकर क्षेत्रवासियों विशेषकर कृषकों में हर्ष व्याप्त है। सभी को उम्मीद है कि, अब शायद जलाशय में पानी की मात्रा बढ़ जाएगी, जिससे भविष्य में जल संकट से निजात मिल सकेगी सभी और अच्छी वर्षा की प्रार्थना की जा रही है।

-वार्षिक साधारण सभा-

आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्यादित बरवेट के समस्त अंशधारी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि, प्रतिवर्ष अनुसार संस्था की वार्षिक साधारण सभा दिनांक 28/09/2021 को मंगलवार को संस्था कार्यालय पर दोपहर 01 बजे श्रीमान प्रशासक महोदय की अध्यक्षता में आयोजित की जाना है। कोरम के अभाव में उसी दिन एवं समय के आधे घंटे पश्चात बैठक पुनः आयोजित की जाएगी। जिसमें गणपूर्ति की आवश्यकता नहीं होगी। समस्त अंशधारी सदस्यों की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

संस्था प्रबंधक

आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था मर्यादित, बरवेट

(नोटः- कोविड-19 महामारी को ध्यान में रखते हुए शासन एवं प्रशासन द्वारा प्रस्तावित प्रोटोकॉल एवं निर्देशों के अनुसार आमसभा में आने वाले अंशधारी सदस्यों के लिए मास्क लगाना एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन अनिवार्य होगा।)

डामर से लेकर पेड़ बेचने वाला गोपाल पंवार इंजीनियर के सरकारी क्वार्टर में निवासरत होकर अपने समकक्ष महिला कर्मचारी से करवाता है बर्तन, पोछे का कार्य

पीडब्ल्यूडी का कुशल श्रमिक पंवार अपने आपको एसडीओ समझकर झाड़ता है रूबाब

पंवार की सेटिंग ऐसी कि विभाग के ईमानदार कर्मचारी की शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं, उल्टा शिकायतकर्ता पर बन रहा दबाव

माही की गूंज, झाबुआ। मुजम्मील मंसूरी

पीडब्ल्यूडी विभाग में कार्यरत कुशल श्रमिक गोपाल पंवार पारा में स्थित विभाग के इंजीनियर हेतु शासकीय आवास में निवासरत होकर अपने आपको इंजीनियर ही नहीं एसडीओ से भी बड़ा मानकर अपने समकक्ष श्रमिक कर्मचारियों पर अपना रौब झाड़ता है। वरन अधिकारियों ने भी एक श्रमिक कर्मचारी को इंजीनियर हेतु उपलब्ध शासकीय आवास को श्रमिक कर्मचारी को रहने के लिए आवंटित कर दिया। साथ ही उसे अनधिकृत रूप से एसडीओ व इंजीनियर का कार्य सुपुर्द कर दिया। नतीजन गोपाल पंवार एक कुशल श्रमिक होकर राणापुर- दत्तीघाटी, पारा-बोरी सहित पिटोल-कुंदनपुर, आदि मार्ग पर विभाग के अपने समकक्ष श्रमिक कर्मचारियों पर एसडीओ व इंजीनियर बनकर अपना रौब झाड़ता है। अधिकारी बनकर स्वयं अपने समकक्ष अधिकारियों को आदेशित कर विभाग के कार्य भी करवाता है।

अधिकारियों ने गोपाल पंवार को इतनी छूट दे रखी कि, वह विभाग की सामग्री चोरी कर बेच भी दे तो उसके विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं होती है। वही गोपाल पंवार के समकक्ष ही अकुशल श्रमिक महिला कर्मचारी मांगूड़ी बाई से उसका मूल काम नहीं करवा कर पिछले 10 वर्षों से इंजीनियर क्वार्टर में रहने वाला गोपाल पंवार महिला कर्मचारी से घर में झाड़ू, पोछा, बर्तन-भाड़े आदि के साथ उसके बच्चों को स्कूल लाने ले-जाने का कार्य करवाता है। जो भी स्पष्ट करता है कि गोपाल पंवार को विभाग के अधिकारियों ने किस आधार पर कितना अधिकार दे रखा है कि वह इंजीनियर उर्फ एसडीओ के अधिकार की तरह कार्य कर अपने समकक्ष एक महिला कर्मचारी से पिछले कई वर्षों से शासकीय क्वार्टर में अपना निजी कार्य करवा रहा है।

गोपाल पंवार के खिलाफ कलेक्टर को की शिकायत पर कार्रवाई नहीं

गोपाल पंवार विभाग में अधिकारियों की संरक्षण के साथ जमकर भ्रष्टाचार कर अपने अधिकारियों को हर तरह से खुश कर बेखौफ होकर कार्य करता है। वहीं विभाग के ही एक ईमानदार समकक्ष अर्द्धकुशल श्रमिक कर्मचारी दिपू पिता कालू डामर ने 23 मार्च 2021 को कलेक्टर जनसुनवाई में मयप्रुफ के साथ शिकायत क्रमांक 50854 पर शिकायत की। शिकायत में बताया कि, गोपाल पंवार ने विभाग के समकक्ष कर्मचारी केकु के साथ 26 जनवरी को शासकीय क्वार्टर में मांस- मदिरा की पार्टी की और राणापुर- दत्तीघाटी मार्ग पर सड़क कार्य हेतु डामर से भरे ड्रम लाए थे, जिसे पार्टी करने वाली रात में ही गायब कर दिए। वहीं शिकायत में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया कि,पारा नदी के पास एक बड़ा पेड़ हवा-आंधी में गिर गया, उक्त पेड़ की लकड़ी करीब 3 ट्रक में भरी जा सकती थी, पेड़ की लकड़ी को गेंग वालों से ऑफिस में आने का कहकर कटवाया, परंतु वह लकड़ी भी गायब हो चुकी है। शिकायत में दिपु ने बताया कि, विभाग के कई बोर्ड भी गायब कर दिए गए तथा अनास नदी पर रेलिंग लगाई थी वह रेलिंग एक तरह से निकालकर पूरी गायब कर दी। कलेक्टर को शिकायत में बताया कि, उक्त सम्पूर्ण शिकायत की जानकारी ऑफिस के बाबू को दी गई थी परंतु बाबू ने गोपाल पंवार से सांठगांठ कर उल्टा मेरे खिलाफ बाबू ने गेंग मैन को झाबुआ ऑफिस में बुलवाया और मेरे खिलाफ आवेदन लिखवाया कि दिपू उनको परेशान करता है। वहीं शिकायत में बताया कि बड़े बाबू ने एसडीओ ऑफिस में दिपू को ले जाकर समझाने की कोशिश की थी कि, कलेक्टर को शिकायत मत कर कलेक्टर के साथ हमेशा एसडीओ साहब रहता है, गोपाल व केकु के विरुद्ध कोई कार्यवाही ना होकर तेरे खिलाफ शिकायत हो जाएगी। उक्त शिकायत के साथ स्पष्ट किया कि, 12 ड्रम डामर से भरे गोपाल पंवार ने केकु के साथ मिलकर बेचे हैं। दिपू ने जांच कर कार्रवाई हेतु कलेक्टर से अनुरोध किया परंतु आज दिनांक तक विभाग की शासकीय सामग्री को चोरी कर बेचने वालों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं हुई।

अर्द्धकुशल श्रमिक दिपू डामर ने कलेक्टर जनसुनवाई में की शिकायत पर छः माह बितने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं।

विभाग को चुना लगाने वाला इंजि. के शासकिय आवास पर रहकर एसडीओ की तर्ज पर अपने समकक्ष महिला कर्मचारी से करवा रहा गोपाल पंवार घरेलु कार्य।

विभाग के श्रमिक से करवाते हैं काम और अन्य मजदूरों के नाम से करते राशि आहरण

पीडब्ल्यूडी विभाग में राहुल चौधरी व वैभव सोनी नाम के ठेकेदार कार्य करते हैं, दिपू द्वारा दी जानकारी अनुसार गूंज को बताया, विभाग के भवन में कोई भी कार्य करने हेतु विभाग के श्रमिक मजदूरों को लगाकर कार्य करवाया जाता है। परंतु अधिकारियों की सह के साथ गोपाल पवार व बड़ा बाबू मुरलीधर राठौर की मिलीभगत के साथ फर्जी रूप से अन्य मजदूरों से कार्य करवाना बताकर फर्जी बिल लगवाकर मजदूरो के नाम से राशि आहरण कर ली जाती है।

मैं नौकरी छोड़ दूंगा पर ईमान नहीं बेचूँगा

अर्द्धश्रमिक दिपू डामर कहता है, मैंने अपनी नौकरी में अभी तक विभाग में ईमानदारी के साथ ही काम किया है और आगे भी पूरी ईमानदारी के साथ कार्य करूंगा। मेरे द्वारा विभाग में जिन-जिन के द्वारा अनियमित कार्य और भ्रष्ट कार्य किया जा रहा है उनके विरूद्ध आगे भी शिकायत जनहित के लिए करूंगा। अधिकारी मुझे कितना भी डराए में डरूंगा नहीं, मैं भ्रष्टों के खिलाफ आवाज उठाता रहूंगा अधिकारी चाहे मुझे नौकरी से निकाल दे, मैं अपनी नौकरी छोड़ दूंगा पर अपना ईमान नहीं बेचूँगा। के साथ दीपू ने कलेक्टर साहब से माही की गूंज के माध्यम से भी अनुरोध कर माग की है कि, विभाग में कई वर्षों से एक ही स्थान पर रहकर छोटे-बड़े अधिकारी अंगद की तरह पैर जमाकर जमकर भ्रष्टाचार कर रहे है अतः भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों के खिलाफ निष्पक्ष जांच करवाकर उनके विरुद्ध कार्रवाई करने की अपील की है।

फिरौती मांगने, धमकाने व घर में घुसकर मारने की रिपोर्ट पर स्वतंत्रा सेनानी के पुत्र प्रदीप पुरोहित के विरुद्ध हुआ मामला दर्ज, भेजा जेल

माही की गूंज, खवासा। स्वतंत्रता सेनानी स्व. रामसिंह जी पुरोहित के पुत्र प्रदीप पुरोहित निवासी खवासा के विरुद्ध, खवासा निवासी गोपाल पिता भागीरथ चौहान ने खवासा चौकी में मंगलवार को रिपोर्ट दर्ज की गई। रिर्पोट मे मेरे भाई बलराम चौहान का मकान निर्माण का कार्य बगीचा रोड पर चल रहा है, लेकिन खवासा निवासी प्रदीप पिता रामसिंह पुरोहित पिछले दो माह से डरा धमका रहा है और मुझसे 5 लाख रूपए की फिरौती के रूप में मांगता रहता है रुपए नहीं देने पर कहता है तुम्हारे पूरे परिवार को और तुम को जान से मार दूंगा की धमकी देता है। यहां तक कि प्रदीप पुरोहित ने धमकाया कि, पुलिस में रिपोर्ट दर्ज की तो उसके बहुत बुरे परिणाम होंगे। इसी दौरान 12 सितंबर को रात में 10बजे मैं, परिवार के साथ घर के अंदर दरवाजे की सांकल लगाकर बैठा था कि, प्रदीप पुरोहित दरवाजे की सांकल खोल कर अंदर घुसा और मुझे मां-बहन की नंगी गाली देने के साथ मुझे कहता है तू बहुत बड़े वाला हो गया है, मैंने गाली देने से मना किया तो, प्रदीप ने मुझे लात-घुसो से मारपीट की जिससे सीने में, शरीर में चोटे लगी, चिल्लाने पर मेरे भाई बलराम, बेटी जयश्री, मनोज चौहान, सुरेश भगत दौड़कर आए। जिनको देखकर प्रदीप भाग गया और जाते-जाते पुलिस में रिपोर्ट की तो आगे भी परिणाम अच्छे नहीं होंगे की धमकी देकर गया, गोपाल चौहान ने अपनी उक्त रिपोर्ट दर्ज करवाई। जिस पर थांदला थाने में मंगलवार की शाम 4 बजकर 3 मिनिट पर अपराध क्रमांक 550/धारा 458,294,387,323,506 आईपीसी के तहत मामला दर्ज किया गया।

चौकी प्रभारी रज्जतसिंह गणावा ने बताया, मामला थाने में दर्ज हुआ है, प्रदीप पुरोहित को मंगलवार को ही गिरफ्तार कर थांदला न्यायालय में पेश किया गया था। न्यायालय ने आरोपित प्रदीप पुरोहित को झाबुआ जेल भेज दिया।

आखिर यह कैसा स्वच्छता अभियान

सचिव ने भी कबूल किया रिश्वत लेना पर सीईओ साहब मुंह लटकाए बिना कार्रवाई के उल्टे पांव लौटे

स्वच्छता अभियान के लिए पहुंचे सीईओ हालु को ग्रामीणों ने बताया, रिश्वत लेने के बाद भी सचिव ने नहीं दिया हितग्राही को लाभ

माही की गूंज, भामल। नारायण पालरा

10 सितंबर से 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक स्वच्छता पखवाड़ा के तहत पंचायत स्तर पर लोगों को रैली निकालकर स्वच्छता के प्रति ÷एक कदम स्वच्छता की ओर÷ स्लोगन के साथ जागरूक करने का कार्य किया जाना है। इसी कड़ी में ग्राम भामल में शनिवार को थांदला जनपद सीईओ रामचंद्र हालू के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान के तहत रैली निकाली, लेकिन यह रैली मात्र सीईओ हालू द्वारा अपने वरिष्ठ अधिकारियों को दिखाने मात्र हेतु खानापूर्ति करने के लिए औपचारिक रैली ही साबित हुई।

बता दें कि, उक्त स्वच्छता अभियान की रैली निकालने हेतु ग्राम पंचायत के किसी भी पंच, ग्राम के किसी भी गणमान्य नागरिक या ग्राम के आमजन को सूचना नहीं दी गई। कुछ लोगों को यह बात पता चली कि, थांदला सीईओ श्री हालू साहब किसी कार्य का मुआयना करने ग्राम पंचायत भामल में आ रहे हैं। जानकारी मिलने पर 15 से 20 व्यक्ति पंचायत मंत्री, जो वर्षो से भामल पंचायत में रहकर जमकर भ्रष्टाचार कर रहा है, वही रिश्वत लेने के बाद भी हितग्राहियों को योजना का लाभ नहीं दिलवा पा रहा है, कि शिकायत हेतु पंचायत पर पहुंचे थे। कुछ देर इंतजार के बाद सीईओ हालु ग्राम पंचायत भामल पहुंचे तो मंत्री की कारस्तानीयों को उपस्थित लोगों ने बताना चाही। लेकिन सीईओ साहब व सचिव-सरपंच के बिना कुछ करे-कराये व सूचना दिए ही पंचायत में उपस्थित लोगों की भीड़ का फायदा स्वच्छता अभियान पखवाड़ा की खानापूर्ति के रूप में सीईओ साहब ने उठाया और शिकायतकर्ताओं को कहा पहले गांव में रैली निकाल लेते हैं, जिसके बाद तुम्हारी बात सुनकर सभी समस्याओं का समाधान करेंगे। जिसके बाद साहब ने उपस्थित लोगों का फायदा उठाकर गांव में स्वच्छता अभियान के तहत औपचारिकता कर रैली निकालकर फोटो सेशन कर अपने वरिष्ठ अधिकारियों को फोटो भेज अपने कार्य की इतिश्री की।

शिकायत करने आए लोगो के साथ रेली निकालकर सीईओ हालु ने स्वच्छता अभियान की कि खानापुर्ति।

ग्रामिणों ने भ्रष्ट सचिव की कारस्तानियों को बताया पर सीईओ बिना कार्रवाई के हुए रवाना।

वही ग्राम भामल की बात करें तो यहां की कुछ फलिये की नाली पूरी तरह से चाक है, गंदा पानी सड़क के ऊपर होकर जा रहा है। जिससे मच्छरों का अंबार होकर डेंगू एवं अन्य वायरल बीमारियों को न्योता दे रहे हैं। इतना ही नहीं ग्राम के जिस मुख्य बाजना मार्ग पर रैली निकाली उसी मार्ग पर नाली चाक होकर गन्दा पानी सड़क पर बह रहा था। लेकिन साहब देखकर भी अनदेखी कर ग्राम पंचायत को स्वच्छता अभियान के तहत ग्राम को स्वच्छ रखने के निर्देश नहीं दिए।

औपचारिक रैली ग्राम पंचायत पहुंचने के पश्चात पेंशन धारियों को पेंशन नहीं मिलने, अन्य समस्याओं के साथ राजेश पिता लाडूसिंह सोलंकी ने भी सीईओ हालू साहब को अवगत करवाया कि, उनका काका उदयसिंह की मृत्यु 2018 में हो गई थी और उदयसिंह संबल योजना का हितग्राही था। परिवार को योजना का लाभ दिलाने हेतु प्रथम रिश्वत के रूप में सचिव दरियावरसिंह माल ने 5 हजार रूपए की मांग की थी, वह 5 हजार रूपए मेरे द्वारा सचिव को दे दिए गए थे, राजेश ने बताया।

सीईओ हालू के पूछने पर पंचायत भवन में सार्वजनिक रूप से सचिव ने सभी के सामने स्वीकार भी किया कि, हा मैंने 5 हजार रूपए लिए थे। सचिव ने सीईओ को बताया, वो 5 हजार रूपए मैंने जनपद के बाबु गायकवाड को दिए थे। सीईओ साहब के सामने खुलेआम रिश्वत लेने-देने व परोसने का खुलासा हुआ तो, सीईओ साहब भी अचंभित हो गए, पर उपस्थित लोगों को गुमराह कर सीईओ साहब कहने लगे मुझे कोई जानकारी क्यों नहीं दी? मुझे जानकारी होती तो अभी तक तुम्हारी योजना का लाभ दिला देता। कहने के साथ ही सोमवार को आकर मिलने की बात कहकर साहब उल्टे पांव बिना कुछ सचिव वह गायकवाड पर कार्रवाई किए रवाना हो गए।

शासकीय भूमि पर जारी पट्टों के बड़े खेल का हो सकता है खुलासा

कुछ समय पूर्व नपती कर चिन्हित की थी शासकीय भूमि, रातों-रात लोगो ने कर लिया अतिक्रमण

- पूर्व में की गई राजस्व विभाग द्वारा नपती जिसमें सर्वे न. 2985 शासकीय मद की निकली।

- तम्बू तान दिए रात में कब्जाधारियों ने महिलाओं को किया आगे।

- मौके पर जांच करता राजस्व अमला।

- इस तरह रातों-रात किया अतिक्रमण।

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

प्रशासिनक अधिकारीयो द्वारा शासकीय भूमि ओने-पाने दाम में बेचकर अपने व्यारे-न्यारे करने का पेटलावद में कोई पहला मामला नही है। राजस्व विभाग की मिलीभगत से करोड़ो रूपए की मुख्य मार्ग से लगी भूमि ओर अन्य दूसरी शासकीय भूमि, भूमाफिया को दे दी है। इतना ही नही कई शासकीय सर्वे नम्बर पर बिना किसी प्रकिया के पट्टे भी जारी कर दिए तो कही पटवारी और राजस्व अमले से मिलीभगत शासकीय भूमि पर कब्जे का फर्जी प्रकरण दर्ज कर उस पर रसीद बनाकर उसे कब्जे के मान से मालिक बना दिया है। ये सब खेल चल रहा है पेटलावद राजस्व विभाग में जहॉ आपकी राजस्व विभाग से पटरी बैठ गई तो फिर समझ लो कि जमीनों की रिकॉर्ड में हेरा-फेरी से लेकर सब कुछ संभव है।

पेटलावद राजस्व में शासकीय भूमि में रातों-रात हो गया बड़ा खेल

पेटलावद-बदनावर मार्ग स्टेट हाइवे पर ग्राम करडावद में मॉडल स्कूल के समीप स्टेट हाइवे से लगी करोड़ो की बेशकीमती शासकीय भूमि सर्वे नम्बर 2985 स्थित है। उक्त भूमि कमलेश बम के पेट्रोल पंप से लगी हुई थी जिस पर पेट्रोल पम्प मालिक का दावा था कि, उक्त भूमि उसकी निजी है। मामला मीडिया में आने के बाद एसडीएम और तहसीलदार पेटलावद द्वारा भूमि के सीमांकन के लिए राजस्व दल को भेजा। नपती में पता चला कि, रोड से लगी 116 फीट भूमि सरकारी सर्वे नम्बर 2985 की है, उक्त भूमि से लगा कुछ भाग पम्प मालिक का भी निकला। दल द्वारा सीमांकन के बाद शासकीय भूमि को चिन्हित किया गया। भूमि की नपती मई माह के लगभग की गई थी जिसके बाद से भूमि खाली पड़ी थी। राजस्व विभाग ने उक्त भूमि को अपने आधिपत्य में नही लिया और न ही किसी प्रकार की तारफेन्सिंग की गई, जो कही न कही राजस्व विभाग की मंशा पर सवाल खड़े कर रही है।

शासकीय भूमि पर रातों-रात हुआ कब्जा

विगत दिनों उक्त शासकीय भूमि पर ग्राम पंचायत करडावद के कुछ लोगो ने रातों-रात कब्जा कर लिया। जिसकी जानकारी मीडिया को मिली तो इस संबंध में पूछे गए सवालों पर पटवारी सहित पूरे राजस्व अमले को मानो साँप सूंघ गया और इस सम्बंध में कोई जानकारी नही होने और मामला दिखवाने की बात करने लगे। अतिक्रमणकार्ताओ ने केवल शासकीय भूमि ही नही बल्कि उससे लगी पम्प मालिक की निजी भूमि पर अतिक्रमण कर तंबू तान दिए, जिसे भूमि स्वामी की शिकायत के बाद राजस्व विभाग ने मौके से हटाया लेकिन शासकीय भूमि पर किए कब्जे को नही हटाया गया।

पट्टे होने की बात आ रही सामने, पट्टे के नाम पर बड़ा खेल होने की आशंका

शासकीय भूमि पर कब्जे की बात सामने आने के बाद मामले की जानकारी हल्का पटवारी चंद्रावत से ली। लेकिन इस बारे में पहले तो कोई जानकारी नही होने की बात कही ओर जानकारी निकाल कर बताने की बात कही। दूसरी बार मे पटवारी द्वारा बताया गया कि, अतिक्रमणकार्ताओ के पास वर्ष 2018 के पट्टे होने की बात सामने आ रही है जिसकी जांच की जा रही।

वर्तमान में झाबुआ में 123 पट्टे वितरण में फर्जीवाड़े का बड़ा खुलासा हुआ है, यहां भी कुछ ऐसा ही बड़ा खुलासा पट्टे के खेल का हो सकता है। उक्त भूमि पर वर्षो से पम्प मालिक अपना अधिकार होना बता रहा था, तो उक्त भूमि को शासकीय मद में होने से मॉडल स्कूल के बच्चों के लिए विधायक निधि से बस स्टेशन स्वीकृत किया गया था लेकिन निर्माण नही हो सका।

जानकारी अनुसार उक्त भूमि पर पट्टे दिए गए है लेकिन किसी पट्टेधारी ने उक्त भूमि पर कब्जा नही किया। राजस्व अमले द्वारा सीमांकन के समय किसी भी पट्टाधारक ने मौके पर आकर पट्टा पेश नही किया, जिससे पट्टे का पूरा खेल फर्जी होना लग रहा है।

राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज नही एक भी पट्टा

सीमांकन के दौरान राजस्व विभाग ने उक्त भूमि को पूरी तरह से शासकीय घोषित कर सीमा निर्धारित की थी। राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार पिछले चार माह पूर्व उक्त सर्वे नम्बर पर कोई पट्टा दर्ज नही था लेकिन अब वर्ष 2018 में पट्टे जारी होने की बात सामने आ रही है, जिसमे तत्कालीन एसडीएम, तहसीलदार ओर पटवारी की भूमिक संदिग्ध हो सकती है, जिन्होंने बिना किसी खानापूर्ति की पट्टे जारी किए होंगे।

फिलहाल गूंज के पास कोई शासकीय पट्टा हाथ नही लगा है, ग्राम पंचायत के पास भी इस संबंध में कोई जानकारी नही है लेकिन पटवारी ने भूमि पर पट्टे होने की बात स्वीकार की है। पूरे मामले में राजस्व विभाग की क्या भूमिका रहती है ये देखना दिलचस्प होगा। क्योंकि जिस शासकीय भूमि की बात की जा रही है वो वर्तमान में करोड़ो की लागत की है और ऐसे मामले के सामने आने के बाद शासकीय भूमि पर नजर रखने वाले बड़े भूमाफिया भी उक्त भूमि को हथियाने के उद्देश्य से अपनी तिजोरी का मुंह राजस्व अमले के सामने खोलकर जमीन हड़पने की कोशिश करेंगे ये तय है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422